राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 08 जुन 2022 वर्ष-5,अंक-133 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बगैर डॉक्टर के पर्चे के मिलेंगी पैरासीटामॉल समेत ये 16 दवाएं

इन दवाओं का अधिकतम इस्तेमाल और इलाज की अवधि 5 दिनों से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

नई दिल्ली। पैरासीटामॉल समेत कई आम दवाएं खरीदने के लिए अब परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। सरकार ऐसी 16 दवाओं की आसान बिक्री को मंजूरी देने की तैयारी कर रही है, जो बगैर डॉक्टर के पर्चे के भी खरीदी जा सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से अधिसूचना भी जारी की गई है। खास बात है कि कोरोनावायरस महामारी के दौर में पैरासीटामॉल के बड़े स्तर पर इस्तेमाल की खबरें आई थी। सरकार पैरासीटामॉल, डाइक्लोफिनेक और एंटी एलर्जिक्स जैसी 16 दवाओं की ओवर द काउंटर प्रोडक्ट्स के तौर पर बिक्री की मंजूरी देने की तैयारी में है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन दवाओं को शेड्यूल K में इन प्रोडक्ट्स को शामिल करने के लिए ड्रग्स नियम 1945 में बदलाव संबंधी अधिसूचना जारी की है।

कौन सी दवाएं हैं शामिल

इन 16 दवाओं में एंटीसेप्टिक और डिसइंफेक्टेंट एजेंट, Chlorohexidine माउथवॉश, खांसी के लिए Dextromethorphan Hydrobromide Lozenges, एंटी बैक्टीरियल एक्ने फॉर्म्युलेशन, एंटी फंगल क्रीम, नेजल डीकंजेस्टेंट, एनाल्जेसिक क्रीम फॉर्म्युलेशन और एंटी एलर्जी कैप्सूल समेत कई नाम शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, OTC खरीदी को लेकर कुछ शर्तें भी शामिल हैं। इन दवाओं का अधिकतम इस्तेमाल और इलाज की अवधि 5 दिनों से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। साथ ही दवाएं लेने के बाद भी लक्षण खत्म नहीं हो रहे हैं, तो मरीज को डॉक्टर की सलाह लेनी होगी। मंत्रालय ने एक महीने के भीतर हितधारकों से जवाब मांगा है।

14 देशों ने जताई नाराजगी, भारत में भी भाजपा और नुपूर शर्मा का विरोध

भारत के खिलाफ विरोध दर्ज करा चुके देशों में ईरान, इराक, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, अफगानिस्तान, बहरीन, मालदीव्स, लीबिया, इंडोनेशिया और पाकिस्तान का नाम शामिल है।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता नुपूर शर्मा के बयान पर देशों का विरोध जारी है। खबर है कि अब तक कम से कम 15 देश भारत के खिलाफ आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज करा चुके हैं। हालांकि, भारत ने यह साफ कर दिया है कि शर्मा का बयान सरकार के मत को नहीं दर्शाता है। इधर, भाजपा ने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पार्टी से निलंबित कर दिया है।

भारत के खिलाफ विरोध दर्ज करा चुके देशों में ईरान, इराक, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, अफगानिस्तान, बहरीन, मालदीव्स, लीबिया, इंडोनेशिया और पाकिस्तान का नाम शामिल है। इसके अलावा भारत में भी लगातार भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ विपक्षी दल नाराजगी जता रहे हैं। शर्मा को गिरफ्तार करने की मांग की जा रही है।

भारत ने ओआईसी के बयान को संकीर्ण सोच वाला बताया

भारत ने मंगलवार को इस्लामिक देशों के संगठन (आईओसी) की टिप्पणियों को संकीर्ण सोच वाला, प्रेरित, भ्रमित एवं शरारतपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। नई दिल्ली ने इस मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एवं विदेश मंत्रालय के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों का लगातार उल्लंघन करने वाले एक देश

की, किसी दूसरे देश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर टिप्पणी किसी के गले नहीं उतर रही है।

इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) के बयानों पर कड़ी

ओवैसी ने मीडिया में बात करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार के विदेश नीति की जमकर आलोचना की और भाजपा से शर्मा के निलंबन को महज दिखावा करार दिया।

प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत सभी धर्मों के प्रति सर्वोच्च सम्मान का भाव रखता है और 57 सदस्यीय समूह का बयान निहित स्वार्थी तत्वों की शह पर उसके विभाजनकारी एजेंडे को उजागर करता है। उन्होंने कहा, 'हम ओआईसी सचिवालय से आग्रह करते हैं कि वह सांप्रदायिक रुख को आगे बढ़ाना बंद करे और सभी धर्मों एवं आस्थाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करे।'

ओवैसी ने की नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को शर्मा की गिरफ्तारी की मांग की। ओवैसी ने मीडिया में बात करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार के विदेश नीति की जमकर आलोचना की और भाजपा से शर्मा के निलंबन को महज दिखावा करार दिया।

दिल्ली- यूपी- एमपी में हीटवेव की गंभीर स्थिति, इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर और मध्य भारत के विभिन्न राज्यों में भीषण लू की स्थिति बनी हुई है। कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से उपर पहुंच गया है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि जैसे राज्यों में तापमान 44-45 डिग्री तक पहुंच रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, मध्य प्रदेश आदि में आज हीटवेव की गंभीर स्थिति रहने वाली है। हालांकि, अब भी सिक्किम जैसे कई राज्य हैं, जहां पर बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग ने बंगाल, सिक्किम के लिए अगले पांच दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके साथ ही, उत्तर पश्चिम व मध्य भारत में अगले तीन-चार दिनों तक हीटवेव चलेगी। दूसरी ओर भीषण गर्मी से परेशान दिल्ली के लोगों के लिए राहत की बात यह है कि 15 जून तक मानसून आने की उम्मीद जताई गई है। दक्षिणी पश्चिमी मानसून अब पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गया है। भारतीय मौसम विभाग(आईएमडी) ने देश के कई राज्यों में आंधी के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी है।

इन राज्यों में भारी बारिश की चतावनी जारी-मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 5 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी है। 8 से 10 जून के दौरान मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश का कहर देखने को मिलने की उम्मीद है। आईएमडी के मुताबिक अगले 5 दिनों के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में गरज के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं, कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में बादलों की गरज के साथ तेज बारिश का प्रकोप देखने को मिलेगा। आगामी 5 दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश और यनम और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बिखरा हुआ है और तेलंगाना में अलग-अलग गतिविधि है।

कुपवाड़ा में एक पाकिस्तानी आतंकी समेत लश्कर के 2 दहशतगर्द ढेर

कश्मीर IGP विजय कुमार ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर किया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें एक पाकिस्तानी आतंकवादी तुफैल भी शामिल है।

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर में भारतीय सेना और पुलिस को मंगलवार को बड़ी सफलता मिली है। कुपवाड़ा में हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा को दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। इस बात की जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में एक पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल है। फिलहाल, कार्रवाई जारी है। पुलिस ने कुपवाड़ा के चतारस कंडी इलाके में मुठभेड़ की जानकारी दी थी। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, कश्मीर IGP विजय कुमार ने बताया कि

LeT के दो आतंकियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि इनमें एक पाकिस्तानी आतंकवादी तुफैल भी शामिल है। इलाके में सेना और पुलिस का तलाशी अभियान जारी है।

एक दिन पहले भी ढेर हुआ लश्कर का आतंकी

बारामूला जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया, जबकि तीन आतंकवादी मौके से भाग गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोपोर के जालूर इलाके के पानीपुरा जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, मारे गए पाकिस्तान आतंकी से मिले दस्तावेजों के मुताबिक उसकी पहचान लाहौर के हंजाला के तौर पर हुई है। इसके पास एक एके राइफल, 5 मैगजीन बरामद हुई है।

बुलेट ट्रेन के ड्राइवर ने दिखाई जांबाजी, अपनी जान गंवाकर बचाई 144 यात्रियों की जिंदगी

नई दिल्ली। चीन में एक बुलेट ट्रेन का ड्राइवर इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। दुर्भाग्य से इस ड्राइवर की दुर्घटना में मौत हो गई है। यह सब तब हुआ है जब चीन के एक प्रांत में भूस्खलन के कारण एक बोलते ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में ट्रेन ड्राइवर की मौत हो गई जबकि कम से कम सात यात्री घायल हो गए। लेकिन ड्राइवर ने पटरी पर उतरने के पांच सेकेंड के अंदर एमरजेंसी ब्रेक मार दी और ट्रेन जैसे ही रुकी उसकी मौत हो गई। दरअसल, यह घटना चीन के दक्षिण-पश्चिमी गुइयांग प्रांत की है। चीनी मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां से दक्षिणी प्रांत ग्वांगझाऊ की ओर जा रही बुलेट ट्रेन के दो डिब्बे रोंगजियांग स्टेशन पर अचानक हुए भूस्खलन के कारण पटरी से उतर गए। जैसे ही ड्राइवर को इसकी भनक लगी, उसने पांच सेकंड के भीतर आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। वह ड्राइवर ट्रेन को रोकने और उस पर सवार 144 यात्रियों की जान बचाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उसकी खुद की जान चली गई। बताया जा रहा है कि ट्रेन की जिस जगह पर वह बैठा था उस जगह दुर्घटना का ज्यादा प्रभाव देखा गया। हादसे में ट्रेन के ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि 8 यात्रियों को चोट लगी है। ट्रेन का 7वां और 8वां डिब्बा पटरी से उतर गया। सभी घायल यात्रियों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और ट्रेन पर सवार बाकी के 136 यात्रियों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। यह भी जताया गया है कि इस हादसे की जांच की जा रही है। बता दें 'हाई स्पीड रेल नेटवर्क' के मामले में चीन दुनिया में सबसे आगे है। यहां बुलेट ट्रेन के लिए करीब 40 हजार किलोमीटर ट्रैक बिछा हुआ है जिसपर ये ट्रेनें 300 किलोमीटर प्रतिघंटा से भी ज्यादा की रफ्तार से दौड़ती हैं। चीन में हर साल इन ट्रेनों पर लाखों लोग यात्रा करते हैं, और इन ट्रेनों का सुरक्षा रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है।

मान सरकार का बड़ा एक्शन, भ्रष्टाचार मामले में पूर्व कांग्रेस मंत्री धर्मसोत गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के सतर्कता ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत को गिरफ्तार किया है। धर्मसोत की गिरफ्तारी मंगलवार तड़के की गई। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के मंत्रिमंडल में वन और समाज कल्याण विभाग के मंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके साथ एक स्थानीय पत्रकार कमलजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है, जो एक सहयोगी के रूप में काम कर रहा था। राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के एक महीने से भी अधिक समय

बाद यह कार्रवाई हुई है।

सतर्कता ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो ने पूर्व मंत्री के खिलाफ कई सबूत एकत्र किए हैं, जब उन्होंने पिछले हफ्ते एक संभागीय वन अधिकारी गुरनामप्रीत सिंह और एक अन्य व्यक्ति हरमिंदर सिंह हम्मी को गिरफ्तार किया था, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने धर्मसोत को भारी रिश्वत दी थी। हम्मी कमलजीत के जरिए धर्मसोत को रिश्वत दे रहा था।

छात्रवृत्ति घोटाले में भी साधु पर लगे आरोप-गौरतलब है कि कैप्टन अमरिंदर के कार्यकाल के दौरान एक आईएएस अधिकारी कृपा शंकर सरोज की ओर से छात्रवृत्ति घोटाले में साधु को आरोपित किया गया था, लेकिन उन्हें क्लीन चिट दी गई थी। हालांकि, वन और सामाजिक कल्याण विभागों में भ्रष्टाचार में उनकी संलिप्तता के पर्याप्त सबूत होने की बात कही गई।

'भ्रष्टाचार के डोजियर पर कांग्रेस सरकार चुप रही'-मुख्यमंत्री मान की ओर से आईपीएस अधिकारी ईश्वर सिंह को सतर्कता ब्यूरो से हटाने और एक अन्य अधिकारी एडीजीपी वरिंदर कुमार को मुख्य निदेशक के रूप में तैनात करने के एक सप्ताह बाद यह कार्रवाई हुई है। अपने प्रदर्शन के लिए जाने जाने वाले वरिंदर ने अमरिंदर सिंह के कार्यकाल के दौरान राज्य के खुफिया प्रमुख के रूप में कार्य किया था और विधायकों व मंत्रियों के भ्रष्टाचार का एक डोजियर बनाया था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई नहीं की, यह दावा किया गया है। सूत्रों ने कहा कि अब मान उस विशिष्ट जानकारी के आधार पर कार्रवाई कर रहे हैं।

न बचे दोस्त, न रहा चुनावी सहारा

सियासी मैदान में ऐसे अकेली पड़ रही कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता राहुल गांधी के नाम प्रवर्तन निदेशालय ने समन जारी किया था। नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जारी समन पर कांग्रेस ने तो सवाल उठाए, लेकिन उनके सुर में सुर मिलाने कम ही दल नजर आए। शिवसेना को छोड़ दिया जाए, तो किसी अन्य विपक्षी दल की तरफ से इसका खास विरोध या आलोचना नहीं की गई। कई और मौकों पर भी नजर आया कि कांग्रेस के सहयोगी दलों के साथ संबंध तनाव में हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उदाहरण के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्यसभा चुनाव के लिए एकतरफा उम्मीदवार को घोषणा कर दी। जबकि, कांग्रेस सीट चाहती थी। यहां JMM ने न केवल कांग्रेस को सीट नहीं दी, बल्कि राज्य की गठबंधन सरकार में साझेदार को बगैर जानकारी दिए उम्मीदवार का ऐलान कर दिया।

अप्रैल में असम में AIUDF के कुछ विधायकों की क्रॉस वोटिंग के चलते कांग्रेस का राज्यसभा उम्मीदवार हार गया। वहीं, बीते साल नवंबर में राजद ने विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस को दरकिनार कर दो

उम्मीदवारों (कुशेश्वरस्थान और तारापुर) के नामों की घोषणा कर दी। ऐसे में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार तो उतारे, लेकिन दोनों ही सीटों पर जमानत जब्त हो गई।

इधर, तमिलनाडु में सत्तारूढ़ DMK ने भी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हिस्सेदार कम कर 25 सीटों पर कर दी। जबकि, 2016 में यह आंकड़ा 41 पर था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा कि उत्तर प्रदेश में एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अखिलेश यादव से गठबंधन के संबंध में बात की थी। कथित तौर पर उन्होंने यादव से कहा था कि कांग्रेस केवल 30 या 40 सीटों पर लड़ना चाहती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भाजपा विरोधी वोट न बटें। रिपोर्ट के मुताबिक, समाजवादी पार्टी ने इस पेशकश पर चर्चा की भी इच्छा नहीं जताई।

इसके कुछ महीनों बाद राहुल गांधी ने खुलासा किया कि उनकी पार्टी बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मयावती के पास भी गई थी। उन्होंने बताया कि गठबंधन के अलावा मायावती को सीएम पद का भी ऑफर दिया गया था, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया।

राहुल ने भी उठा दिए थे सवाल-हाल ही में राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस अकेली ही भारतीय जनता पार्टी का सामना कर सकती है, क्योंकि क्षेत्रीय दलों के पास न कोई विचारधारा है और न ही केंद्रीय दृष्टिकोण। कांग्रेस नेता के इस बयान के बाद विपक्ष के कई नेताओं ने नाराजगी जाहिर की थी।

राज्यसभा चुनाव में भी मुश्किलें बरकरार-इन तमाम विवादों के बीच कांग्रेस हरियाणा और राजस्थान राज्यसभा चुनाव में संकट का सामना कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, एक ओर जहां पार्टी को जारी संकट से उबरने का भरोसा है। वहीं, नेताओं का कहना है कि परेशानी चुनाव के बाद शुरू होगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार उर्दू लिखने के लिये देवनागरी अपनाने से उर्दू उत्कर्ष को प्राप्त होगी। - खुशवन्त सिंह

संपादकीय

समरसता का भारत

ऐसे वक्त में जब देश धार्मिक असहिष्णुता की चौतरफा चुनौती से जूझ रहा है देश को एक समरसता की प्रगतिशील सोच की जरूरत है जिसमें सभी धर्मों की जिम्मेदार संस्थाएं व प्रतिनिधि रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि कोरोना संकट से उबरता देश पहले ही बड़ी कीमत चुका रहा है। यूक्रेन संकट से विश्व खाद्य आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है तथा कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। महंगाई मारक स्तर तक जा पहुंची है। बेरोजगारी एक बड़ा संकट है। वहीं आयेदिन धार्मिक स्थलों को लेकर उठने वाले विवाद व प्रतिगामी सोच के प्रपंच देश के सामने नई चुनौती पैदा कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में नागपुर में संघ के एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय देकर सहयोग व सामंजस्य के भारत की राह दिखायी है। उन्होंने रोज नये धार्मिक विवाद उठाने से परहेज करने की सलाह दी। उन्होंने ज्ञानवापी मुद्दे की बाबत कहा कि हम इतिहास नहीं बदल सकते। इसे न आज के हिंदुओं ने बनाया है और न ही आज के मुसलमानों ने। यह उस समय घटा जब हमलावर बाहर से आये थे, जिसके मूल में स्वतंत्र भारत का सपना देखने वाले लोगों का मनोबल तोड़ना मकसद रहा है। हिंदू समाज अपने श्रद्धा स्थलों पर तो ध्यान देता है लेकिन इसका मतलब संप्रदाय विशेष का विरोध नहीं है। यह भी कि मुस्लिम भी इसी जमीं में पले-बढ़े हैं। भागवत ने नसीहत दी कि रोज-रोज नया मुद्दा नहीं उठाया जाना चाहिए। किसी भी विवाद का मिल-बैठकर सहमति से रास्ता निकाला जाना चाहिए। जब नहीं निकलता है तो इसमें कोर्ट में जाते हैं। तो फिर कोर्ट जो निर्णय दे उसका सम्मान होना चाहिए। हमें अपनी न्याय व्यवस्था को संविधान सम्मत मानकर स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानवापी के बारे में हमारी कुछ श्रद्धाएं हैं,परंपरा से चलती आई हैं मगर हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं देखा जाना चाहिए। निस्संदेह, यह बात तार्किक है कि हर पूजा पद्धति का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत की धरती में फले-फूले किसी धर्म के अनुयायी को बाहर का नहीं माना जाना चाहिए। धर्म किसी का व्यक्तिगत मामला है, वो किसी भी धर्म में रहे यह उसकी इच्छा है। अपने धर्म के प्रति हरेक की अपनी मान्यता हो सकती है, उसके प्रति पवित्र भावना हो सकती है। किसी भी पूजा पद्धति का विरोध नहीं होना चाहिए। हम समान पूर्वजों के वंशज हैं। यहां यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि संघ प्रमुख ने कहा कि उनका संगठन आगे मंदिरों को लेकर कोई आंदोलन नहीं करेगा। जाहिर है समाज को अनावश्यक विवादों में अपनी ऊर्जा का क्षय नहीं करना चाहिए। देश 21वीं सदी में यदि धार्मिक विवादों में उलझा रहेगा तो प्रगति की राह अवरुद्ध होगी। किसी भी तरह की अशांति आखिरकार समाज में असुरक्षा का वातावरण ही पैदा करती है जिसका लाभ सिर्फ राजनीतिक दल ही उठाते हैं। उन्हें वोटों के ध्रुवीकरण का लाभ उठाने का मौका मिल जाता है। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि संघ प्रमुख ने जिन बातों का उल्लेख किया उसका अनुसरण संघ व अन्य आनुशंगिक संगठनों को भी करना चाहिए जिसमें सत्तारूढ़ दलों की ईमानदार कोशिश की भी बड़ी भूमिका होगी। ऐसा नहीं हो सकता कि शीर्ष नेतृत्व व जमीनी कार्यकर्ताओं के व्यवहार में साम्य न हो। यदि खीचीं गई लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन होता है तो शब्दों की गरिमा को ही ठेस पहुंचेगी। देश नब्बे के दशक की अशांति व असुरक्षा के माहौल से काफी आगे निकल चुका है। किसी भी तरह के टकराव व उसके बाद उपजी हिंसा से पूरा देश प्रभावित होता है। असुरक्षा के माहौल में कभी सकारात्मक सोच नहीं उभरती। आज रोजगार-रोटी आम आदमी की प्राथमिकताएं हैं। अशांति व टकराव उस खाई को और बढ़ाता है जो अमीर-गरीब के बीच निरंतर चौड़ी होती जा रही है।

अनमोल जीवन लील रहा सड़क हादसों का अजगर ?

(लेखक-नरेन्द्र भारती)

देश में सड़क दुर्घटनाओं का अजगर प्रतिदिन अनमोल जीवन लील रहा है। बढ़ते भीषण सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं।हादसे कब रुकेगें यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है।देश में हर रोज इतने भीषण व दर्दनाक हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।रविवार 5 जून 2022 को को उतराखंड के उतरकाशी में मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों की एक बस के गहरी खाई में गिरने से 26 लोगों की मौत हो गई।चारधाम करने आए यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यह उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी।यह बहुत ही दुखद हादसा हुआ है।प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी 2022 से 17 जनवरी 2022 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं।प्रशासन द्वारा लोगों को सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है।वर्ष 2022 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है।गत दिनों हिमाचल से दिल्ली जा रहे एक परिवार की गाड़ी की दूसरी गाड़ी से टक्क्र में पूरा परिवार मौत के मुंह में समा गया था। इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। केन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है।बेकसूर लोग कब तक बेमौत मरते रहेंगें। दुर्घटनाओं का कहर कब तक बरपता रहेगा। मानव जीवन को बचाना होगा क्योकि मानव जीवन दुर्लभ है।बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं। 2022 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है।सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। बीते साल 2021 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे।हजारों लोग अपंग हो गए ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है।आंकडों के अनुसार जुलाई 2018 को उतराखंड में धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे।ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिग तोड़कर नदी में जा गिरी।9यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ।यात्रीयों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह उनका आखिरी सफर होगा। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। पिछले दिनों पंजाब में एक जीप व ट्रक की आपसी टक्कर में दर्जनों स्कूली अध्याापक बेमौत मारे गए थे। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं।बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है। आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं। देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं।ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं।सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबंधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर पूरी तरह रोक लग सके।सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर पूरी तरह रोक लग सके।यदि सरकारे ऐसे ही सोती रहेगी तो देश की सड़कें मानव खून से लाल होती रहेगी।

बदलता पर्यावरण खेती के लिए खतरे की घंटी

(लेखक- मुकेश तिवारी)

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी 4 आयामों खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा कड़वा सच है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो इंसानो के समक्ष 2050 तक पेट भरने के लिए अनाज जुटाना मुश्किल हो जाएगा। वर्तमान दौर में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का बुरा असर पड़ रहा है, बदलते मौसम के प्रभाव से सिर्फ फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है, यह बात देश की खाद्य सुरक्षा के लिए आहम चुनौती बन रही है, एक अनुमान के अनुसार यदि 2040 तक तापमान मैं1, 5 डिग्री तक इजाफा होता है तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा, इस चेतावनी को भविष्य की मह ज संभावना की तर ह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि अगर हम अभी से नहीं चेते तो य ह खतरा निश्चित है, इस तरह जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ रहा है तो अप्रत्यक्ष प्रभाव आमदनी की हानि और अनाजों की बढ़ती दरों के रूप में परिलक्षित हो रहा है , ज्ञात रहे कि कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण किट पतंगों से बचाव आदि की भूमिका रहती है प्रत्येक फसल को विकसित होने के लिए उचित तापमान उचित प्रकार की मृदा वर्षा तथा आंध्र की जरूरत होती है लेकिन इनमें से किसी भी मान क में फेरबदल होने से फसलों की पैदावार काफी हद तक प्रभावित होती है, जबकि आने वाले दिनों में देश की जनसंख्या में इजाफा होगा ऐसे में प्रथक प्रथक फसलों की मांग बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किल उत्पन्न करेगा, लिहाजा कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिम से निबटने के लिए फसल उत्पादकता में सुधार और सुरक्षा जाल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा तभी हम खाद्यान्न, सुरक्षा जैसे संकटों से जूझ सकते हैं जलवायु परिवर्तन खाद सुरक्षा के सभी चार आयामों खाद उपलब्धता, खाद्य पहुंच खाद्य उपयोग, और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा कड़वा सच यह है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो हमारे सामने खाने का संकट उत्पन्न हो जाएगा, तापमान की बढ़ती गति को देखें तो आंकड़े बोलते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा उदाहरण के लिए आज यहां गेहूं, सरसों और आलू की खेती हो रही है तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती कदापि नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता होती है ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान, ज्वार आदि फसलों का क्षरण हो सकता है क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है ।

तापमान वृद्धि से वर्षा की किल्लत

इसके अतिरिक्त तापमान वृद्धि से वर्षा में कमी होती है जिससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है, भूमि में निरंतर तापमान की कमी व वृद्धिसे अप्रक्षय की क्रिया प्रारंभ हो जाती है इसके साथ तापमान वृद्धि से गंभीर सूखे की संभावना बलवती हो जाती है इतना ही काफी नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रसायनिक खादों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को काफी प्रभावित कर रहा है । सीएस ई की रिपोर्ट के मुताबिक 46 साल में 68 प्रतिशत पशु पक्षी घट गए हैं 2050 तक इंसानों को पेट भरने के लिए भी अनाज मिलना मुश्किल हो जाएगा खतरे की घंटी इस साल 16 राज्यों में 280हिट देव चली जिसमें से 28त्र राजस्थान, मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ तापमान तेजी से घटते जंगल , दूषित नदियां बर्बाद होती मिट्टी बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं और जहरीली हवा ने मानव जीवन के लिए बड़े खतरे उत्पन्न कर दिए हैं सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की महानिदेशक सुनीता नारायण द्वारा जारी ताजा साला रिपोर्ट के मुताबिक 11 मार्च से 18 मई 2022 के मध्य 16 राज्यों में 280 चली यानी इतनी बार तापमान सामान्य से 6,4डिग्री ज्यादा रहा वहीं, 1970 से 1916 के बीच दुनिया में 68त्र पशु पक्षी घट गए। आज समूचे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है एवं इसका प्रभाव कहीं ज्यादा तो कहीं कम देखने में आ रहा है जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकद्यक में हम शीर्ष 20 देशों में शामिल हैं, पिछले 40 वर्षों में हमारी धरा का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बड़ा है इसके कारण बाढ़ सूखे और तूफान जैसी आपदाएं भी बढ़ी हैं क्योंकि अपने मुल्क में अधिकांश कृषकों के पास छोटा रुकवाहै इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बढ़ते तापमान का संकट हिंदुस्तान पर मर्डर रहा है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के फल स्वरुप उत्पन्न चुनौतियों के परिपेक्ष में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना बेहद जरूरी है जिसके द्वारा हमारे किसान जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करते हुए फसल का उत्पादन कर सकें एवं उन्हें फायदा भी हो सके साथ ही कृषि से उनका मोहभंग भी न हो, क्योंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उपाय की जरूरत है कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आया है कोई भी मुल्क इसकी तपिश से बच नहीं सकता।

आज के कार्टुन

पॉजिटिव सोच

सद्गुरु

सारी दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा।अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा-इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अत: आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरु षत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा?

सू-दोकू नवताल -2136

2				9	8	7		1
1					3	5		
		9		5				
3	4	7				2		6
5		2		6		4		8
8		1				9	3	7
				7		1		
		8	2					4
9		4	5	8				2

सू-दोकू -2135 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2136

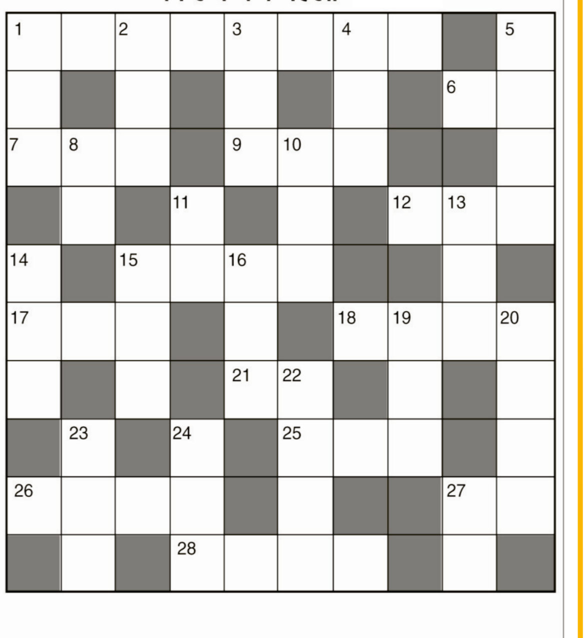

बायें से दायें:-

1. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-2,3,1,2
6. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-3
15. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-3
18. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-1,3
21. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-2
25. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
26. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-4
27. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-2
28. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
3. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
4. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-3
5. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
8. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-2
10. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
11. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
13. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
14. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-3
15. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-3
16. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-3
19. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-3
20. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-4
22. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-4
23. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-3
24. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-2135

डिजिटलीकरण से निपटने नियामकों को उन्नत होना चाहिए: सीतारमण

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नियामकों और अन्य संस्थाओं को डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को समझने में अधिक उन्नत और वक्त से आगे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है। वित्त और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालयों के प्रभारी सीतारमण ने डिजिटलीकरण के संदर्भ में सुरक्षा तंत्र की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2020 और उसके बाद के दशकों में डिजिटल तरीकों का महत्व बढ़ता जाएगा। सीतारमण आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत आयोजित कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के प्रतिष्ठित दिवस समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) को डिजिटलीकरण के लिहाज से वक्त से आगे रहना चाहिए, ताकि निष्पक्ष और जवाबदेह प्रथाओं को सुनिश्चित किया जा सके और प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग न हो। कॉरपोरेट मामलों के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि मंत्रालय अनुपालन प्रबंधन सहित विभिन्न उपायों को लागू करेगा। उन्होंने कारोबारी सुगमता के लिए प्रौद्योगिकी आधारित मंचों पर जोर दिया। कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी कंपनी लाइब्रेट का अधिग्रहण प्रिस्टिन केयर ने किया

नई दिल्ली । स्वास्थ्य क्षेत्र से जड़े स्टार्टअप प्रिस्टिन केयर ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी कंपनी लाइब्रेट का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि इस अधिग्रहण से स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में तालमेल स्थापित होगा और कंपनी प्राथमिक देखभाल खंड में प्रवेश कर सकेगी। दोनों कंपनियों ने हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी। सौदे के तहत लाइब्रेट के 150 कर्मचारी प्रिस्टिन केयर में शामिल होंगे। प्रिस्टिन केयर के सह-संस्थापक हरसिमरबीर सिंह ने बयान में कहा, 'ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए लाइब्रेट रणनीतिक रूप से हमारे लिए एकदम सही है, जिसकी ऑनलाइन परामर्श सेवाओं के जरिये रोगियों को प्राथमिक देखभाल की सुविधा दी जा सकेगी।'

अब पैरा सिटामोल और अन्य 15 दवाइयों के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत नहीं

नई दिल्ली । पेरासिटामोल और आम इस्तेमाल वाली 15 अन्य दवाइयों को खरीदने के लिए अब डॉक्टर की पर्ची की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार इन दवाओं को ओवर द काउंटर (ओटीसी) लिस्ट में डालने की तैयारी में है। यानी इन दवाओं को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत नहीं पड़ेगी। इनमें पेरासिटामोल के अलावा डायक्लोफेनेक, बंद नाक खोलने में काम आने वाली दवाएं और एंटी-एलर्जिक दवाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग रूल्स 1945 में बदलाव के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया है ताकि इन दवाओं को कानून के शेड्यूल के में शामिल किया जा सके। इससे रिटेलर इसे डॉक्टर की पर्ची के बिना बेच सकेंगे। इसका मकसद लोगों की आम इस्तेमाल वाली दवाओं की पहुंच को बढ़ावा देना है। इन 16 दवाओं में एंटीसेप्टिक और डिसइंफेक्टेंट एजेंट, गिंगीवाइटिस के इलाज में काम आने वाला माउथवॉश क्लोरोहेक्साडाइन, खांसी के इलाज में काम आने वाली दवा एंटी बैक्टीरियल एक्नी फॉर्मुलेशन, एंटी फंगल क्रीम, बंद नाक खोलने में काम आने वाली दवा, एनलजेसिक क्रीम फॉर्मुलेशन और एंटी एलर्जी कैप्सूल शामिल हैं। प्रस्तावित बदलावों से इन दवाओं को डॉक्टर की पर्ची के बिना बेचा जा सकेगा और इन तक लोगों की पहुंच आसान होगी। हालांकि इन दवाओं की ओवर द काउंटर बिक्री की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी जाएगी। उदाहरण के लिए इलाज या इस्तेमाल की अधिकतम अवधि पांच दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगर इससे मरीज को आराम नहीं मिलता है तो उसे डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बारे में स्टेकहोल्डर्स से एक महीने के भीतर सुझाव देने को कहा है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण लगातार तीसरे दिन गिरा बाजार

निवेशक आरबीआई की मौदिक नीति समीक्षा के इंतजार में

मुंबई ।
कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी कोषों की लगातार निकासी से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.98 अंक लुढ़क गया। कारोबारियों का कहना है कि निवेशकों ने भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार की मौद्रिक नीति समीक्षा को देखकर सतर्कता बरती और लिवाली से दूर रहना सही समझा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के अंत में 567.98 अंक की गिरावट के साथ 55,107.34 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 792.91 अंक यानी 1.42 प्रतिशत तक टूट गया था।

इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 153.20 अंक गिरकर 16,416.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, डॉ रेड्डीज, लार्सन एंड टुब्रो, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और नेस्ले को काफी नुकसान झेलना पड़ा। इसके उलट एनटीपीसी, मारुति, एमएंडएम और भारती एयरटेल के शेयर लाभ में दिखाई दिए। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली लाभ के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में दोपहर के सत्र में गिरावट का रुख देखा जा रहा था। सोमवार को अमेरिका में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड

0.26 प्रतिशत गिरकर 119.21 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी रखा है। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को विदेशी निवेशकों ने 2,397.65 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की थी।

ईयू के साथ एफटीए को लेकर 17 जून से शुरू होगी बातचीत: गोयल

कोच्चि । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बेल्जियम के ब्रसेल्स में 17 जून से बातचीत शुरू होगी। गोयल ने मीडिया से कहा कि ब्रिटेन और कनाडा के साथ इस तरह के समझौतों के लिए बातचीत चल रही है और देश के निर्यातकों के लिए बाजार पहुंच और अवसर प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा` कि हम कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता कर रहे हैं। हमने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ इस समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि ब्रिटेन और कनाडा के साथ इस तरह के समझौतों के लिए बातचीत जारी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा ` कि यूरोपीय संघ के साथ एफटीए तक पहुंचने के लिए हमारी औपचारिक बातचीत 17 जून को ब्रसेल्स में शुरू होगी। हमारा प्रयास निर्यातकों के लिए बाजार पहुंच और नए अवसर प्रदान करना है और मछुआरों को बेहतर भविष्य देना है। इससे पहले गोयल ने मई में कहा था कि यूरोपीय संघ के साथ एफटीए समझौता भारत अगले वर्ष तक पूरा कर सकता है।

मूडीज बोली- आयात पर निर्भरता कम करने कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा भारत

नई दिल्ली । देश की मशहूर बाजार रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने मंगलवार को कहा कि आयात पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए भारत सहित कई अन्य देश कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ाएंगे। केंद्र सरकार ने कोयले की किसी भी तरह की किल्लत से बचने के लिए आपात उपायों के तहत कोल इंडिया को पहले ही शुष्क ईंधन का आयात करने के निर्देश दिए हैं। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर ने कहा, 'बड़े पैमाने पर कोयला का आयात करने वाले चीन और भारत जैसे देश आयातित कोयले पर अपनी निर्भरता को घटाने के लिए इसका घरेलू उत्पादन तेजी से बढ़ाएंगे। चीन का कोयला आयात भी मार्च, 2022 में 15 प्रतिशत बढ़ गया है।' एजेंसी ने कहा कि कोल इंडिया ने चालू साल में कोयले के घरेलू उत्पादन को सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढाने का लक्ष्य रखा है। मूडीज इन्वेस्टर ने कहा कि धातुकर्म और बिजली संयंत्रों में इस्तेमाल किये जाने वाले कोयले की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी, लेकिन ये अपने हालिया उच्चतम स्तर से नीचे ही रहेंगी।

औधें मुंह गिरा टाइटन का शेयर, झुनझुनवाला दंपति को लगी 4,821,479,275 करोड़ रुपये की चपत

मुंबई ।
राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल टाइटन कंपनी के शेयरों के लिए मंगल काफी अमंगल साबित हुआ है। मंगलवार को टाइटन के शेयर लाल निशान में खुले और शुरूआती कारोबार में ही इसमें जबरदस्त गिरावट आई। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 4.88 फीसदी तक गिरकर 2091.05 रुपये पर पहुंच गए। टाइटन के शेयरों में पिछले काफी दिनों से गिरावट जारी है और ये पिछले पांच कारोबारी सत्र में ही 5.91 फीसदी गिर चुके हैं। वर्ष 2022 में अभी तक यह स्टॉक 17 फीसदी लुढ़क चुका है। मंगलवार को आई इस गिरावट से दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला को बड़ा नुकसान हुआ है। राकेश और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन कंपनी के शेयर हैं।मार्च 2022 तक राकेश झुनझुनवाला के पास टाइटन के 35,310,395 शेयर या 3.98 फीसदी हिस्सेदारी है। उनकी पत्नी रेखा के पास कंपनी के 9,540,575 शेयर या 1.7 फीसदी हिस्सेदारी है। मंगलवार को टाइटन के शेयरों में 107.50 रुपये की गिरावट आने से झुनझुनवाला दंपत्ति को करीब 4,821,479,275 रुपये का नुकसान हुआ है। टाइटन के शेयरों में पिछले छह महीने से उतार-

चढ़ाव जारी है। इस अवधि में टाटा ग्रुप का यह स्टॉक 11.93 फीसदी टूट चुका है। बीच में टाइटन के शेयर में तेजी आई थी, लेकिन पिछले एक महीने से फिर इसकी चाल मंद पड़ गई है। हालांकि, एक साल में यह शेयर अपने निवेशकों को 24 फीसदी से ज्यादा का मुनाफा दे चुका है। इसतरह जिन निवेशकों ने पांच साल पहले इस शेयर मे निवेश किया था उन्हें यह स्टॉक अब तक करीब 300 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। तीसरी तिमाही के आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 135.6 फीसदी की बढ़त के साथ 987 करोड़ रुपये पर रहा है। पिछले साल की इसी अवधि में 419 करोड़ रुपये पर रहा था। तीसरी तिमाही में टाइटन की आय 30.6 फीसदी की बढ़त के साथ 9,515 करोड़ रुपये पर रही है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि में 7,287 करोड़ रुपये पर रही थी। साल दर साल आधार पर तीसरी तिमाही में टाइटन का एबिटडा 62.9 फीसदी की बढ़त के साथ 1398 करोड़ रुपये पर रहा है, जो कि पिछले साल की इसी तिमाही में 858 करोड़ रुपये पर रहा था।

मंडाविया ने चौथा राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक जारी किया

नई दिल्ली।
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का चौथा राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक जारी किया। मंडाविया ने एफएसएसएआई द्वारा विभिन्न नवीन पहलों की शुरूआत की, जिसमें ईट राइट रिसर्च अवार्डस और ग्रांट्स - फेज द्वितीय, ईट राइट क्रिएटिविटी चैलेंज - फेज तृतीय (विद्यालय स्तर पर एक प्रतियोगिता), आयुर्वेद आहार के लिए लोगो शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा के पांच मानकों पर राज्यों के प्रदर्शन को मापने के लिए राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक जारी किया गया है। एसएफएसआई की शुरूआत 2018-19 से देश में खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिस्पर्धी और सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से की गई थी। सूचकांक लोगों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मदद करेगा। इस अवसर पर, मंडाविया ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र और पोषण का गहरा संबंध है और एक समृद्ध भारत के लिए, हमें एक स्वस्थ भारत की आवश्यकता है और एक स्वस्थ भारत के लिए, हमें स्वस्थ नागरिक की आवश्यकता है। मंडाविया ने आगे कहा कि सरकार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है और इसके लिए वह प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल मोचरें पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि खाद्य सुरक्षा और स्वस्थ खाद्य प्रथाओं को सुनिश्चित करने में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह समय की आवश्यकता है कि हम एक स्वस्थ राष्ट्र सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आएं। स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न ई-बुक्स का भी विमोचन किया जो तेल मुक्त खाना पकाने और चीनी रहित डेसर्ट के बारे में नवीन व्यंजनों की वकालत करती हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में 16वें दिन भी कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 16वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल को पार चुकी हैं।इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपए और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपए और सात रुपए तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत बढ़कर 120.22 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.66 प्रतिशत चढ़कर 119.28 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक ने लोन दरें बढ़ाई, बढ़ जाएगी ईएमआई

- बैंक ने मार्जिन कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) 35 आधार अंक बढ़ाई

मुंबई ।
एचडीएफसी बैंक ने इस महीने एक बार फिर मार्जिन कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) में 35 आधार अंकों की भारी वृद्धि की है। बैंक की वेबसाइट पर साझा जानकारी के अनुसार नई दरें सात जून से प्रभावी हो गई हैं। इस फैसले से लोन लेने वालों पर ईएमआई का बोझ बढ़ जाएगा। इस संबंध में जारी रिपोर्ट के मुताबिक एमसीएलआर में 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद एक रात की अवधि के लोन के लिए यह दर 7.15 फीसदी से बढ़कर 7.50 फीसदी हो गई है। इसके अलावा एक महीने के लिए 7.55 फीसदी और तीन महीने की अवधि के लिए 7.60 फीसदी हो गई है। छह महीने की अवधि के लोन पर एमसीएलआर दर बढ़कर अब 7.70 फीसदी, जबकि एक साल के लिए 7.85 फीसदी कर दी गई है। बता दें कि एक साल के लिए एमसीएलआर एसबीआई में फिलहाल 7.2 फीसदी और पीएनबी में 7.4 फीसदी है।

बैंक की ओर से साझा जानकारी के मुताबिक, इस वृद्धि के बाद दो और तीन वर्षों की अवधि के लिए एमसीएलआर दर क्रमशः 7.95 फीसदी व 8.05 फीसदी हो गई है। गौरतलब है कि एचडीएफसी बैंक ने हफ्तेभर के भीतर दूसरी बार कर्ज महंगा किया है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में यानी एक जून को बैंक ने आरपीएलआर (रिटेल प्राइम लेंडिंग रेट) में पांच बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की थी। गौरतलब है` कि एमसीएलआर में बढ़ोतरी से सभी तरह के लोन पर असर होता है और ज्यादातर लोन एक साल की अवधि वाले एमसीएलआर से संबंधित होते हैं। इसमें वृद्धि से होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन

समेत सभी तरह के कर्ज महंगे हो जाते हैं। इसके साथ ही लोन लेने वाले ग्राहकों पर ईएमआई का बोझ भी बढ़ जाता है। बयान में कहा गया कि आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत बुधवार, आठ जून 2022 को ये बैंक बड़े पैमाने पर ऋण मेलों का आयोजन कर रहे हैं। ये कार्यक्रम एकेएएम के तहत वित्त मंत्रालय के प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किए जा रहे हैं।

सरकार ने 45 दिन में उद्योगों से 35,000 बोरी यूरिया जब्त किया

नई दिल्ली । उद्योगों को अत्यधिक सब्सिडी वाले यूरिया की गलत तरीके से बिक्री पर रोक लगाने के लिए सरकार ने पिछले डेढ़ महीने में ऐसे यूरिया की लगभग 35,000 बोरियां (प्रत्येक में 45 किलोग्राम) जब्त की हैं। उन्होंने बताया कि इस दुरुपयोग के लिए छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि सात प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। आमतौर पर यूरिया को ऐसे गलत तरीके से, प्लाईवुड, पशु चारा, क्रॉकरी, डाई और मोल्डिंग पाउडर बनाने वाले उद्योगों को बेचा जाता है। इन उद्योगों को सालाना लगभग 15 लाख टन यूरिया की आवश्यकता होती है। यूरिया अत्यधिक सब्सिडी वाला उर्वरक है और किसानों को केवल 266 रुपये प्रति बोरी पर बेचा जाता है, जबकि इसकी वास्तविक लागत लगभग 3,000 रुपये प्रति बैग है। उर्वरक विभाग ने घटिया गुणवत्ता वाले उर्वरकों के दुरुपयोग, कालाबाजारी और आपूर्ति पर रोक लगाने के मकसद से उर्वरक एवं संबंधित इकाइयों का औचक निरीक्षण करने के लिए विशेष टीम 'उर्वरक उड़न दस्ते' का गठन किया है। कई शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने कृषि-ग्रेड यूरिया को इधर-उधर करने और कालाबाजारी को रोकने के लिए एक बहुआयामी रणनीति शुरू की है। यूरिया पर नीम का लेप होने के बावजूद ऐसा हो रहा है। औद्योगिक ग्रेड यूरिया के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं पर तलाशी अभियान के दौरान 63.4 करोड़ रूपए की माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की चोरी का पता चला है, जिसमें से 5.14 करोड़ रुप की वसूली की जा चुकी है।सूत्रों ने कहा कि कृषि-ग्रेड वाले यूरिया के 25,000 बैग का एक बेहिसाब स्टॉक पाया गया और जब्त कर लिया गया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जीएसटी अधिनियम के तहत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।कृषि-ग्रेड यूरिया को उद्योगों को बेचने (डायवर्लन करने) में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ सीजीएसटी अधिनियम, उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च पिछले साल के 1.62 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर चालू वित्त वर्ष में लगभग 2.25 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है।

वैश्विक बाजारों में गेहूं की कीमत बढ़ी

- यूक्रेन में रूसी आक्रमण के बाद वहां उत्पादन घटने की आशंका के कारण आया उछाल

मुंबई ।
वैश्विक बाजारों में गेहूं की कीमत में भारी उछाल आया है। बताया जा रहा है` कि भारत के गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करने और यूक्रेन में रूसी आक्रमण के बाद वहां उत्पादन घटने की आशंका के कारण यह उछाल आया है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) मूल्य सूचकांक मई 2022 में औसतन 157.4 अंक रहा, जो अप्रैल से 0.6 प्रतिशत कम है। हालांकि, यह मई 2021 की तुलना में 22.8 प्रतिशत अधिक रहा। एफएओ खाद्य वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में मासिक बदलाव पर नजर रखता है। एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक मई में औसतन 173.4 अंक रहा, जो अप्रैल 2022 से 3.7 अंक (2.2 प्रतिशत) और मई 2021 के मूल्य से 39.7 अंक (29.7 प्रतिशत) अधिक था। एजेंसी ने कहा` कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेहूं की कीमतों में लगातार चौथे महीने मई में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के मूल्य से औसतन 56.2 प्रतिशत अधिक और मार्च 2008 में रिकॉर्ड बढोतरी से केवल 11 प्रतिशत

कम थी। कई प्रमुख निर्यातक देशों में फसल की स्थिति को लेकर चिंताओं और युद्ध के कारण यूक्रेन में उत्पादन कम होने की आशंका के बीच भारत के गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के कारण गेहूं की कीमत तेजी से बढ़ रही है। इसके विपरीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाज की कीमतों में मई में 2.1 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन कीमतें एक साल पहले के उनके मूल्य की तुलना में 18.1 प्रतिशत अधिक रहीं। एफएओ के चीनी मूल्य सूचकांक में अप्रैल के मुकाबले 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका एक प्रमुख कारण भारत में भारी उत्पादन से वैश्विक स्तर पर इसकी उपलब्धता की संभावना बढ़ना है। गौरतलब है कि भारत ने घरेलू स्तर पर बढती कीमतों को नियंत्रित करने के उपायों के तहत 13 मई 2022 को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया था।

एस्सार समूह ने सीबीएम परियोजना में किया 5,500 करोड़ रुपये का निवेश, उत्पादन रिकार्ड के पार

नई दिल्ली ।
देश के मशहूर एस्सार समूह ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) ने मंगलवार को बताया कि पश्चिम बंगाल में उसके रानीगंज पूर्वी ब्लॉक से कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) गैस का उत्पादन प्रतिदिन आठ लाख घनमीटर को पार कर गया है और अगले 24-30 महीनों में उत्पादन तीन गुना करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी पहले कोल सीम के नीचे पाई जाने वाली गैस सीबीएम को उर्वरक संयंत्रों तक ले जाने के लिए एक पाइपलाइन की कमी का सामना कर रही थी लेकिन गेल इंडिया लिमिटेड की ऊर्जा गंगा ट्रक लाइन शुरू होने के साथ अब वह बाधा भी दूर हो गई है। ईओजीईपीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं निदेशक पंकज कालरा ने कहा, ''हमारा उत्पादन घटकर 4.50 लाख घनमीटर प्रति दिन तक आ गया था लेकिन मई, 2021 में यह पाइपलाइन चालू होने के साथ हम उत्पादन में तेजी ला रहे हैं। अब यह 8.25 लाख घनमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है जिससे इस ब्लॉक से गैस उत्पादन सितंबर या अक्टूबर तक 10 लाख घनमीटर प्रतिदिन तक ले जाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही ब्लॉक में लगभग 5,500 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं और अगले 18-20 महीनों में करीब 200 और कुओं की खुदाई की योजना है। इससे अगले 24-30 महीनों के भीतर हमारा उत्पादन तीन गुना होकर 25 लाख से 30 लाख घनमीटर प्रतिदिन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।'' भारत प्राकृतिक गैस की उपलब्धता के पूरक के तौर पर सीबीएम एवं अन्य गैर-परंपरागत संसाधनों के उत्पादन पर जोर दे रहा है। यह बिजली उत्पादन के लिए कच्चे माल, उर्वरक उत्पादन और वाहनों के लिए सीएनजी और घरों तक पाइप से रसोई गैस पहुंचाने में पूरक भूमिका निभा सकती है। भारत अपनी प्राथमिक ऊर्जा समूह में पर्यावरण-अनुकूल ईंधन की हिस्सेदारी को 6.7 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत तक ले जाना चाहता है।

कालरा ने कहा कि ईओजीईपीएल की रानीगंज पूर्वी ब्लॉक जैसी परियोजनाएं उस लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा, ''ईओजीईपीएल ने हमेशा राह दिखाई है और इसने रणनीतिक रूप से भारत में गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।''

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नॉर्वे शतरंज में विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराकर आनंद ने फिर कायम की एकल बढ़त

स्टावंगर । नॉर्वे शतरंज के 10वे संस्करण में भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने पांचवें राउंड में विश्व चैम्पियन और मेजबान नॉर्वे के मेगनस कार्लसन की चुनौती को पार करते हुए एक बार फिर एकल बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन के खिलाफ लंबे समय बाद क्लासिकल मुक़ाबला खेल रहे आनंद नें सफ़ेद मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में एक बेतरीन बाजी खेलते हुए जीत के करीब पहुंच गए थे, पर कार्लसन किसी तरह वापसी करने में कामयाब रहे और 40 चालों में बाजी ड्रॉ करा लिया। इसके बाद नॉर्वे शतरंज के खास नियमानुसार दोनों के बीच टाईब्रेक का मुक़ाबला खेला गया, जिसमें आनंद न एक बार फिर सफेद मोहरो से इटेलिअन खेला और इस बाद आनंद 50 चालों में जीत दर्ज करने में सफल रहे और इस तरह आनंद को 1.5 तो कार्लसन को 1 अंक हासिल हुआ। पांचवें राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव को तो नॉर्वे के आर्यन तारी नें चीन के वांग हाउ को हराकर पूरे 3 अंक हासिल किए जबकि फ्रांस के मकसीम वारचेर लागरेव नें बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव को तो अजरबैजान के शाखिरयार ममेद्यारोव ने यूएसए के वेसली सो को टाईब्रेक में हराकर 1.5 अंक हासिल लिए। 5 राउंड के बाद आनंद अभी 10 अंक बनाकर पहले, कार्लसन 9.5 अंक बनाकर दूसरे तो वेसली सो 8.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं।

भारत बनाम द. अफ्रीका मुकाबले में केएल राहुल टी20 में पहली बार संभालेंगे टीम इंडिया का नेतृत्व

नई दिल्ली ।
भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 श्रंखला मुकाबला 9 जून को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। यह सीरीज केएल राहुल के लिए काफी अहम है। इस सीरीज के लिए उन्हें कप्तान बनाया गया है। यह पहली बार होगा जब केएल राहुल टी-20 इंटरनेशनल में भारत की कप्तानी करेंगे। राहुल इससे पहले भारत की टेस्ट और वनडे में कप्तानी कर चुके हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि कप्तान के तौर पर उनका सफर कैसा रहा। भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इस सीरीज में आराम दिया गया है। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह भी सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में कप्तान केएल राहुल और युवा जोश से लबरेज टीम इंडिया पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव होगा। भारत की टी-20 टीम में उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह को पहली बार जगह मिली है। इन दोनों खिलाड़ियों ने आईपीएल 2022 में अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था।

भारत के कप्तान के तौर पर केएल राहुल सफल नहीं रहे हैं। वह भारतीय टीम की पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने एक टेस्ट और तीन वनडे में भारत की कप्तानी की है। उन्हें पहले टेस्ट समेत सभी वनडे में हार का सामना करना पड़ा। कुल मिलाकर उन्हें कप्तान के तौर पर अभी पहली जीत की तलाश है। राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में जीत दर्ज कर इस परंपरा को तोड़ना चाहेंगे।

केएल राहुल कप्तान के रूप में अपना पहला टेस्ट और पहला वनडे हार चुके हैं। अगर साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तान के तौर पर वह पहला टी-20 मैच हार जाते हैं तो वह विराट कोहली की बराबरी कर लेंगे। विराट ने भारत की कप्तानी करते हुए पहला टेस्ट, पहला वनडे और पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच हारा था। अगर राहुल पहला टी-20 हार जाते हैं तो वह ये रिकॉर्ड बनाने वाले भारत के सिर्फ दूसरे कप्तान होंगे।

जब रनों की जरुरत होती हैं, तब कोहली, रोहती और केएल राहुल आउट हो जाते : कपिल देव

नई दिल्ली ।
भारत के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव ने भारत के तीन बड़े बल्लेबाजों को लताड़ लगाकर कहा कि अब वक्त आ गया है कि खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी-20 में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल अपनी रणनीति बदले। कपिल ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में होने वाला है और भारत को अगर ट्रॉफी जीतनी है, तब कोहली और रोहित को अपना गेम बेहतर करने की जरूरत है। कपिल ने कहा, 'उनकी (रोहित और विराट) की छवि बहुत बड़ी है और उन पर काफी दबाव रहता है, ऐसा नहीं होना चाहिए। आपको निडर होकर क्रिकेट खेलना होगा। ये सभी प्लेयर 150-160 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर सकते हैं। कपिल ने कहा, जब रनों की जरूरत होती है, ये सभी (रोहित, विराट, केएल राहुल) आउट हो जाते हैं। इससे प्रेशर बढ़ता है, या तब आप एंकर बनकर खेलें या फिर स्ट्राइकर।

कपिल ने कहा कि सिर्फ बड़ी रेप्युटेशन काफी नहीं है। बड़े प्लेयर का इंपैक्ट भी बड़ा होता है। बड़े प्लेयर्स बढ़िया परफॉर्मेंस भी देना पड़ता है। बीते काफी वक्त से भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा काफी वक्त से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। बीते आईपीएल में भी दोनों बल्लेबाज बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। अच्छी शुरुआत को बड़ी इनिंग में बदलने में ये दोनों खिलाड़ी कामयाब नहीं हुए। हालांकि केएल राहुल ने कुछ शानदार पारियां इस आईपीएल में खेलने में कामयाब रहे।

महिला वनडे रैंकिंग में मिताली सातवें पर, मंधाना नौवें स्थान पर बरकरार

दुबई । भारत की अनुभवी महिला बल्लेबाज मिताली राज आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर और स्मृति मंधाना नौवें स्थान पर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर है, जिसके बाद इंग्लैंड की नताली स्किवेर का नंबर है। दोनों ने न्यूजीलैंड में हुए महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन 19 पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 35वें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 218 रन बनाए थे। वहीं श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू छह पायदान चढकर 23वें स्थान पर है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जमाया था। गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन तीसरे स्थान पर काबिज है।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी आगामी टी20 सीरीज : सुरेश रैना

मुंबई ।
पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज भारतीय खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी, खासकर उनके लिए जिन्होंने हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। रैना ने कहा कि उन भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का यह अच्छा मौका होगा। तेज गेंदबाज उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह को आईपीएल-2022 में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने के बाद उन्हें टीम में मौका दिया गया है। इन दोनों के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और सीजन की चैंपियन टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को टीम में वापस बुलाया है। रैना ने टीम की टी20 विश्व कप की रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए द.अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के महत्व पर प्रकाश डाला। रैना ने कहा, यह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि आपको आईपीएल में प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ी देखने को मिलेगा। वे भारत के लिए कैसा प्रदर्शन करते हैं, यह मायने रखेगा। अगर आपको भारत के लिए खेलना है, तब मानसिकता महत्वपूर्ण है।

कई सीनियर खिलाड़ियों को सीरीज से आराम दिया गया है। इसके बाद केएल राहुल टीम इंडिया का नेतृत्व करने वाले हैं। सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और पेसर जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए इस सीरीज से ब्रेक दिया गया है। पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 9 जून को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा है। रैना ने कहा कि उमरान और अर्शदीप के प्रदर्शन के अलावा केएल राहुल की कप्तानी पर भी नजर रखनी होगी। उन्होंने कहा, जब मैच होगा, तब मौसम भी काफी गर्म होगा, मैच जून में खेले जाएंगे। देखने के लिए बहुत सी चीजें हैं। उमरान, जो एक प्रतिभाशाली गेंदबाज हैं। अर्शदीप, जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की है, और केएल राहुल एक कप्तान के रूप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, राहुल ने आईपीएल में अपनी कप्तानी से काफी प्रभावित किया है लेकिन अब भारतीय टीम की बारी है, मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छा करने वाले हैं। राहुल ने आईपीएल के 15वें सीजन में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की। लखनऊ ने अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई किया था। हालांकि टीम फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही।

संक्षिप्त समाचार

डायमंड लीग मीट में पांचवें स्थान पर रहे भारत के अविनाश साब्ले, 8वीं बार तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड

नई दिल्ली । भारत के अविनाश साब्ले प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीट में पांचवें स्थान पर रहे। इस दौरान उन्होंने 3000 मीटर स्टीपलचेज में आठवीं बार अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया। सेना के 27 साल के साब्ले ने शीर्ष खिलाड़ियों के बीच आठ मिनट 12.48 सेकंड का समय लिया। उन्होंने मार्च में तिरुवनंतपुरम में इंडियन ग्रां प्री के दौरान आठ मिनट 16.21 सेकंड के अपने पिछले रिकॉर्ड में तीन सेकंड से अधिक का सुधार किया था। स्थानीय दावेदार और टोक्यो ओलिंपिक्स के स्वर्ण पदक विजेता सोफियान अल बक्काली ने मीट रिकॉर्ड सात मिनट 58.28 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। साब्ले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में सबसे पहले 2018 में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में आठ मिनट 29.80 सेकंड के समय के साथ गोपाल सैनी का आठ मिनट 30.88 का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। पिछले साल साब्ले ने अमेरिका में 13 मिनट 25.65 सेकंड के साथ पुरुष 5000 मीटर में 30 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था जो बहादुर प्रसाद ने 1992 में बार्सिलोना में 13 मिनट 29.70 सेकंड के समय के साथ बनाया था। डायमंड लीग मीट में रियो ओलिंपिक्स 2016 के चैंपियन केन्या के कोन्सेसलेस किप्रुतो ने आठ मिनट 12.47 सेकंड के साथ चौथा स्थान पर रहे। किप्रुतो भारत के साब्ले से एक सेकंड के सौवें हिस्से से आगे रहे। साब्ले हालांकि टोक्यो ओलिंपिक्स के ब्रॉन्ज विजेता केन्या के बेंजामिन किगेन से आगे रहे जिन्होंने आठ मिनट 17.32 सेकंड का समय लिया।

देश में पहली बार लॉन्च हुई एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी, 6 खेलों को दी गई जगह

नई दिल्ली । खेल शौकीन अब देश में एयर स्पोर्ट्स का भी आनंद ले पाएंगे। पैरा ग्लाइडिंग, एयर रेसिंग, हैंग ग्लाइडिंग समेत अन्य कई एयर स्पोर्ट्स भारत में काफी मशहूर हैं। अब भारत सरकार देश में एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी लाई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को इस पॉलिसी को लॉन्च किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत एक नया इतिहास रच रहा है, हम नेशनल एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी 2022 लेकर आए हैं। ये एक ऐसा सेक्टर है, जहां से काफी कुछ हासिल किया जा सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले कि देश में 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की संख्या काफी ज्यादा है, जो एयर स्पोर्ट्स के लिए उत्साहित रहते हैं। यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश में ये कल्चर काफी पॉपुलर है, लेकिन जब वहां विंटर रहता है तब दूसरे देशों में भी इसका स्पेस होना चाहिए। एयर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन किया गया। यह चार लेयर में काम करेगा। किसी भी एक एसोसिएशन में एक से अधिक एयर स्पोर्ट्स का काम हो सकता है। हर एसोसिएशन के लिए सचिव, अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। उसके लिए वोटिंग की सुविधा की जाएगी। यहां पर प्राइवेट सेक्टर से भी तीन सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

10 हजार रनों के शिखर तक पहुंचना मांउट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने जैसा था : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली ।
क्रिकेट में खिलाड़ी जब रिकार्ड बनाता है जब उसकी प्रसन्नता का अहसास उसे ही होता होगा। न्यूजीलैंड के विरुद्ध लॉर्ड्स पर खेले गए टेस्ट मैच में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने 115 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन भी पूरे किए। वह क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के 14वें बल्लेबाज हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने 10 हजार रन के क्लब में सबसे पहले एंट्री की थी। 7 मार्च 1987 को 'लिटिल मास्टर' से मशहूर इस दिग्गज ने अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए अपने टेस्ट करियर में 10 हजार रन पूरे किए थे। सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान के स्पिनर एजाज फकीह की गेंद पर लेट कट खेलकर 10 हजारवां रन पूरा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, गावस्कर के यह उपलब्धि हासिल करते ही स्टैंड में मौजूद सैकड़ों क्रिकेट फैंस ने मैदान पर जाकर उन्हें बधाई दी। इनमें से कुछ फैंस ने उन्हें माला भी पहनाई। सुनील गावस्कर ने 10 हजार टेस्ट रन के क्लब में पहली बार प्रवेश करने की खुशी के बारे में बात करते हुए तब कहा था, 'मुझे पता था कि मुझे 57 रन की दरकार है। मैं आमतौर पर स्कोर बोर्ड नहीं देखता। लेकिन एक बार जब आप 50 पर पहुंच जाते हैं तो आपको तालियां मिलती है। उस स्तर पर आपको एहसास होता है। अगर मैं गलत नहीं हूं तो मैंने अपने 50 रन एक सिंगल के जरिए पूरे किए। इसलिए मुझे पता था कि अब 7 रन और बनाने हैं।' गावस्कर ने आगे कहा, 'एक बार जब आप 10,000 तक पहुंच जाते हैं तो यह बिल्कुल जादुई होता है। जादुई इसलिए क्योंकि यह पहले नहीं किया गया था। 9,000 टेस्ट रन भी पहले नहीं बनाए गए और मैंने किया। लेकिन 9,000 चार अंकों की संख्या है। 10,000 पांच अंकों की संख्या है तो यह लगभग पहली बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने जैसा था।

अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट भी इस एलीट क्लब का हिस्सा बन गए हैं। रूट का मौजूद टेस्ट औसत 50 से थोड़ा नीचे है। वह टेस्ट क्रिकेट में 26 शतक लगा चुके हैं। टेस्ट में उनसे ज्यादा 33 शतक एलेस्टेयर कुक ने लगाए थे। इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले रूट सिर्फ दूसरे क्रिकेटर हैं। उन्होंने 118 टेस्ट मैचों में 10,015 रन बनाए हैं। जबकि कुक ने 161 टेस्ट मैचों में 12,472 रन बनाए थे।

दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मैदान पर उतरते ही राहुल तोड़ देंगे रोहित शर्मा का बड़ा रिकार्ड

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज गुरुवार 9 जून से शुरू होगी और पहला मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए बड़े खिलाड़ियों जैसे विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह आदि को आराम दिया गया है, जबकि केएल राहुल एक बार फिर टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। गुरुवार को जब केएल राहुल टीम इंडिया को लीड करने के लिए मैदान में उतरेंगें तो बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। केएल राहुल सभी प्रारूपों में भारत का नेतृत्व करने वाले सबसे युवा की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे और ऐसा करने वाले छठे खिलाड़ी बन जाएंगे। इतना ही नहीं इस मामले में वह रोहित शर्मा का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे। केएल राहुल 30 साल और 53 दिन में सभी प्रारूपों में भारत का नेतृत्व करेंगें और इस मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने 34 साल 308 दिन में ऐसा किया था। पहले स्थान पर महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी का नाम है, जिन्होंने 26 साल 279 दिन में तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया की कमान संभाली थी। जबकि वीरेंद्र सहवाग ने 28 वर्ष 42 दिन, विराट कोहली ने 28 वर्ष 82 दिन, अजिंक्य रहाणे 28 वर्ष 292 दिन, केएल राहुल 30 वर्ष

पुर्तगाल ने स्विट्जरलैंड को रौंदा, क्रिस्टियानो रोनाल्डो के वर्ल्ड रिकॉर्ड गोल की संख्या 117 तक पहुंची

मुंबई ।

पुर्तगाल की नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में स्विट्जरलैंड पर 4-0 की जीत के दौरान स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 2 गोल दागकर अपने विश्व रिकॉर्ड गोल की संख्या को 117 तक पहुंचा दिया। पहले हाफ में 2 गोल करने के बाद रोनाल्डो (35वें और 39वें मिनट) ने हाफ टाइम से पहले गोल करने के 2 और मौके गंवाए। विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी दो टीम के बीच लिस्बन में हुए लीग एक के इस मुकाबले में हालांकि पुर्तगाल का दबदबा रहा1 पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा विलियम कार्वाल्हो (15वें मिनट) और जाओ कैंसेलो (68वें मिनट) ने भी गोल किए। नवंबर में अपने पांचवें विश्व कप में खेलने जा रहे 37 साल के रोनाल्डो के अब 188 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 117 गोल हो चुके हैं। लीग बी में नॉर्वे ने एर्लिंग हैलांड के दो गोल की मदद से स्वीडन को 2-1 से हराया। स्वीडन की ओर से एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में एंथोनी इलांगा ने दागा। 21 साल के स्ट्राइकर हैलांड के 19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 18 गोल हो चुके हैं। लीग ए में स्पेन ने चेक गणराज्य से 2-2 से ड्रॉ खेला। युवा स्ट्राइकर गावी ने अपने आठवें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में स्पेन की ओर से पहले गोल दागा। टीम के लिए दूसरा गोल इनिगो मार्टिनेज ने किया। चेक गणराज्य को पहले याकुब पेसेक (चार मिनट) और फिर जॉन कुचता (66वें मिनट) ने बढ़त दिलाई लेकिन स्पेन ने दोनों बार बराबरी हासिल की। गुरुवार को स्पेन से 1-1 से ड्रॉ खेलने वाली पुर्तगाल की टीम अब ग्रुप दो में चार अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। लीग बी के एक अन्य मैच में सर्बिया ने स्लोवेनिया को हराया। यूनान ने तीसरे टीयर के ग्रुप दो में कोसोवो को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इसी ग्रुप में साइप्रस ने उत्तरी आयरलैंड से गोल रहित ड्रॉ खेला। ग्रुप-4 में जॉर्जिया की टीम बुल्गारिया को 5-2 से हराकर छह अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। जिब्राल्टर को 2-0 से हराने वाली उत्तरी मैसेडोनिया की टीम उससे दो अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

एशियन कप में जगह बनाने सुनील छेत्री की अगुवाई में कंबोडिया पर फतह हासिल करने उतरेगा भारत

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम 5वीं बार एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) एशियाई कप फाइनल्स में स्थान सुरक्षित करने बुधवार को कम रैंकिंग वाले कंबोडिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने मैदान मों उतरेगी। करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री की कप्तानी में भारत अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने की कोशिश करेगा। छेत्री इस मैच में अपना 80वां गोल करने की कोशिश करेंगे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो (188 मैचों में 117 गोल) और लियोनल मेसी (162 मैचों में 86 गोल) दनादन गोल दागे जा रहे हैं। इन दोनों से किसी की तुलना नहीं की जा सकती है लेकिन छेत्री के पास इस टूर्नामेंट में मेसी से आगे निकलने का मौका होगा। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में अभी 106वें स्थान पर है जबकि कंबोडिया उससे 65 स्थान नीचे 171वें स्थान पर है। ग्रुप डी में इन दो टीम के अलावा अफगानिस्तान (150) और हांगकांग (147) शामिल हैं। ऐसे में सुनील छेत्री के पास गोल करने के मौके होंगे। छेत्री अपने करियर के अवसान पर हैं और एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करना इस 37 वर्षीय कप्तान के लिए विशेष होगा। चीन के हटने के कारण अगला एशियाई कप 2023 के आखिर या 2024 में होगा और ऐसे में छेत्री इसे अपने शानदार करियर का 'अंतिम किला' मान सकते हैं।

छेत्री ने अपने 126वें मैच से पहले इरादे स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं क्वालिफाई करना चाहता हूं। अगर मैं वहां नहीं रहूंगा, तो मेरा देश होगा। या तो मैं बीयर पीते हुए उदांता को दौड़ लगाते हुए देखूंगा या आप बीयर पी रहे होंगे और मैं वहां दौड़ूंगा।' इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग मैचों से पहले भारत का प्रदर्शन अनुकूल नहीं रहा। उसने इससे पहले जो 3 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेले, उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा। अफगानिस्तान ग्रुप डी के पहले मैच में शाम साढ़े 4 बजे से हांगकांग से भिड़ेगा, जिसके बाद रात 8।30 बजे से भारत और कंबोडिया का मैच खेला जाएगा। यही नहीं इस बीच उसे इंडियन सुपर लीग की टीम एटीके मोहन बागान से 1-2 से हार मिली जबकि उसने आई लीग ऑल स्टार्स टीम को 2-1 से हराया लेकिन संतोष ट्रॉफी के उप विजेता बंगाल ने उसे 1-1 से ड्रा पर रोका।

भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना आखिरी मैच 7 महीने से भी अधिक समय पहले जीता था जब उसने 16 अक्टूबर 2021 को सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में नेपाल को 3-0 से हराया था। हाल के परिणाम इगोर स्टिमक की कोचिंग वाली टीम के लिए बेहद निराशाजनक रहे। छेत्री ने अपने साथियों को आगाह कर दिया है कि अगर वे कंबोडिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो आधी जंग यहीं पर हार जाएंगे।

छेत्री ने कहा, 'हम पहला मैच उनसे खेल रहे हैं।

सरफराज खान के बल्ले ने मचाई धूम, दानिश कनेरिया को दिया जवाब, जड़ा शानदार सैकड़ा

मुंबई । घरेलू क्रिकेट में सरफराज खान का बल्ला धूम मचाए है। उन्होंने रणजी ट्रॉफ के दूसरे क्वॉर्टर फाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा है। उन्होंने 205 गेंदों में 14 चौके और 4 छक्के उड़ाते हुए 153 रनों की जबरदस्त पारी पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया को करारा जवाब भी दे दिया है। कनेरिया ने सरफराज के बारे में कहा था कि वह बड़े मैचों के खिलाड़ी नहीं हैं। दूसरी ओर, सरफराज खान ने अपनी इस पारी के दौरान 2000 (2099 रन) फर्स्ट क्लास रन भी पूरे कर लिए। इस दौरान उनका औसत 80प्लस (77.74 आउट होने के बाद) का रहा है। इसके साथ ही वह 2000 फर्स्ट क्लास रन बनाने को लेकर औसत के मामले में डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए हें। महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ब्रैडमैन का औसत 95.14 का रहा, जो वर्ल्ड रिकॉर्ड है। सबसे अधिक औसत के साथ 2000 फर्स्ट क्लास रन बनाने वाले खिलाड़ियों में डॉन ब्रैडमैन-95.14, सरफराज खान- 80 प्लस, विजय मर्चेंट- 71.64, जॉर्ज हेडली-69.86, बशीर शाह- 69.02 यही नहीं, सरफरात की विध्वंसक फॉर्म का अंदाजा इसी बात से लगाया सकता है कि उन्होंने इस सीजन में 4 मैच खेलते हुए 140.80 की औसत से 704 रन ठोके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइकरेट 72।65 का रहा है, जबकि 275 सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। उनके नाम 3 शतक और 1 अर्धशतक हैं। उनकी इस फॉर्म को लेकर ट्विटर पर कुछ प्रशंसकों ने उन्हें टीम इंडिया की टेस्ट टीम में शामिल करने की मांग उठाई है।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग–बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए–पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

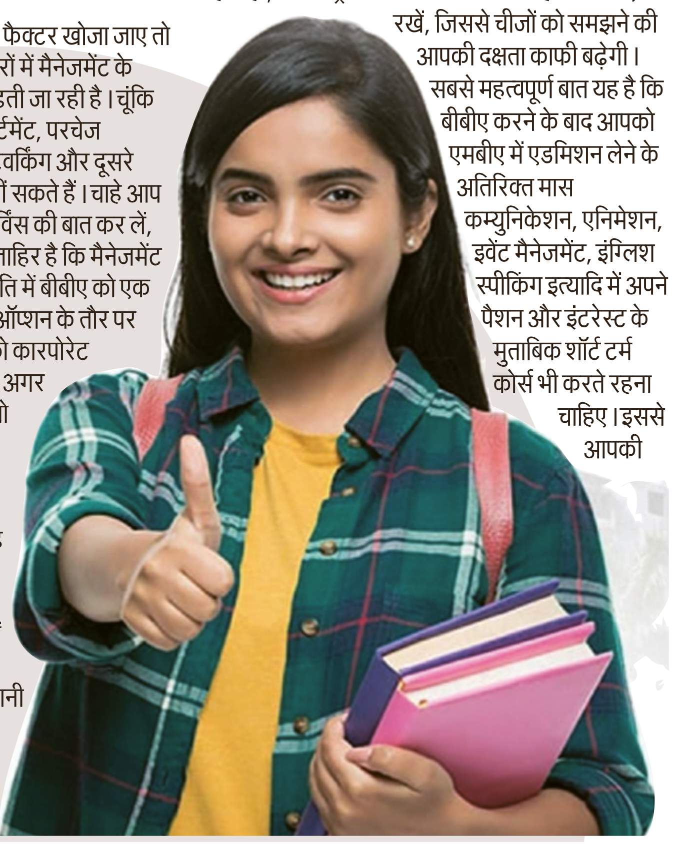

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे–जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे–वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं–

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी– गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग–अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने–रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी– गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन–सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये–समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ–साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग–अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

सार समाचार

नायडू का भारत और कतर संसद के बीच संबंधों को गहरा करने का आह्वान

नयी दिल्ली उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को भारत और कतर की संसदों के मध्य संबंधों को गहरा करने और संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का आह्वान किया। वर्ष 2023 भारत और कतर के बीच पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल का प्रतीक है। नायडू ने सुझाव दिया कि दोनों संसदों को भी मील के पत्थर का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम की योजना बनानी चाहिए। उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कतर की शूरा परिषद के अध्यक्ष हसन अब्दुल्ला अल-घनीम ने परिषद के तीन सदस्यों के साथ दोहा में मुलाकात के दौरान नायडू ने ये टिप्पणी की। बतौर राज्यसभा अध्यक्ष नायडू ने शूरा परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों को भारत आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने भारत और कतर के बीच बहुपक्षीय मंचों जैसे अंतर संसदीय संघ (आईपीयू), एशियाई संसदीय सभा और अन्य पर अधिक सहयोग का आह्वान किया। मालूम हो कि शूरा परिषद 45 सदस्यों वाला कतर राज्य का विधायी निकाय है। इससे पहले दिन में नायडू ने मध्य पूर्व राष्ट्र में एक गैर-लाभकारी संगठन कतर फाउंडेशन से मुलाकात की। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सामुदायिक विकास में कतर फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।

चीन ने कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विमानों को खतरे में डालने के आरोपों को खारिज किया

बीजिंग। चीन ने सोमवार को अपने सैन्य पायलट का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने उपयुक्त कार्य किया और अपने देश के संप्रभुता की रक्षा की। चीन का यह बयान, कनाडा और आस्ट्रेलिया की इन हालिया शिकायतों के बाद आया है कि चीनी विमानों ने प्रशांत महासागर के ऊपर उनके विमानों को जोखिम में डालने वाली कलाबाजियां कीं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वु छियान ने कहा कि चीन ने कनाडा के उकसाने वाले कृत्य और गैरपेशेवर अभियानों के जवाब में शीघ्रता से तार्किक और पेशेवर कदम उठाये। पिछले हफ्ते कनाडा की सेना ने आरोप लगाया था कि चीनी विमान कई मौकों पर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और कनाडाई चालक दल के सदस्यों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। कनाडा ने एक जून को अपने बयान में कहा था कि चीनी विमानों ने लंबी दूरी के एक कनाडाई गश्ती विमान को अपने मार्ग से मोड़ने की कोशिश की और एक संभावित टक्कर से बचने के लिए चालक दल को विमान की दिशा बदलनी पड़ी। वहीं, ऑस्टेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने आस्ट्रेलियाई वायुसेना के एक विमान के खिलाफ 26 मई के चीनी लड़ाकू विमान की कार्रवाई को खतरनाक आक्रामक कृत्य करार दिया है।

नेपाल में चार पर्वत चोटियों से पर्वतारोहियों के दल ने लगभग 34 टन कचरा साफ किया

काठमांडू। दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट समेत चार पर्वत चोटियों से लगभग 34 टन कचरा एकत्र किया गया है। नेपाल की सेना ने सोमवार को बताया कि 'सफा हिमल अभियान 2022' पांच अप्रैल को शुरू किया गया था और विश्व पर्यावरण दिवस पर इसका समापन हुआ। नेपाल सेना के नेतृत्व वाले एक दल ने इस दौरान 33.8 टन कचरा साफ किया। हर साल होने वाले इस अभियान की शुरूआत 2019 में की गई थी लेकिन कोविड महामारी के कारण 2020 में इसे रोक दिया गया था। सेना ने बताया कि इस साल सबसे ज्यादा मात्रा में कचरा साफ किया गया। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 2019 में लगभग 10 टन कचरा एकत्र किया गया और पिछले साल 27 टन से ज्यादा कचरा साफ किया गया था। बयान में कहा गया कि इस साल अभियान का समापन विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ। बयान में कहा गया, 'नेपाल सेना और शेरपा के संयुक्त दल ने माउंट एवरेस्ट, ल्होत्से, कंचनजंगा और मनासलू से 33,877 किलोग्राम कचरा एकत्र किया।' इस अभियान में सेना के 30 कर्मी और 48 शेरपा शामिल हुए।

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के 77 नए मामले, अफ्रीका के बाहर संक्रमण का सबसे बड़ा प्रसार

लंदन। ब्रिटेन में सोमवार को मंकीपॉक्स के 77 और मामले सामने आने के साथ देश में इस बीमारी से संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़ कर 300 से अधिक हो गई है। अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स के संक्रमण का यह सबसे बड़ा प्रसार है। अधिकारियों के मुताबिक जो लोग संक्रमित पाए गए हैं उनमें अधिकतर समलैंगिक और 'बायसेक्सुअल' हैं। हालांकि, अधिकारियों ने आगाह किया है कि मरीज के करीबी संपर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति को यह संक्रमण हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को कहा कि 24 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 780 नए मामले आए हैं। अफ्रीका के बाहर इस बीमारी से अब तक किसी की मौत नहीं हुई है। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बताया कि इस साल कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, कांगो और नाइजीरिया में मंकीपॉक्स के 1400 से अधिक मामले आए हैं और 63 लोगों की मौत हुई है। अफ्रीका के इन चारों देशों में यह स्थानीय स्तर की महामारी है। सीडीसी के मुताबिक जीनोम अनुक्रमण में अफ्रीका के बाहर बीमारी के प्रसार के जुड़ाव के ठोस सबूत नहीं मिले हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई देशों में मंकीपॉक्स के अचानक आए मामलों से पता चलता है कि हालिया समय में संक्रमण के प्रसार का पता नहीं चल पाया। डब्ल्यूएचओ के एक अग्रणी सलाहकार ने पिछले महीने कहा था कि स्पेन और बेल्जियम में आयोजित दो बड़े कार्यक्रम में यौन गतिविधियों की वजह से यूरोप और अन्य जगहों पर शायदयह बीमारी फैली है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने पिछले सप्ताह कहा था कि जिन समलैंगिक और बायसेक्सुअल लोगों में संक्रमण का पता चला है उनकी उम्र 20 से 49 के बीच है। जांच से यह भी संकेत मिला कि बीमारी संबंध ब्रिटेन और अन्य जगहों पर समलैंगिकों के बार और डेटिंग ऐप से है।

मैक्सिको से पलायन कर अमेरिका में प्रवेश करने के लिए बड़ी संख्या में शरणार्थी बॉर्डर से गुजरते हुए। इन लोगों में एक विकलांग भी है।

रूसी विदेश मंत्री ने यूक्रेन को लंबी दूरी का रॉकेट देने के लिये पश्चिम को चेताया

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री ने पश्चिम को चेतावनी दी है कि अगर वह यूक्रेन को लंबी दूरी के रॉकेट उपलब्ध कराता है, तो उनका देश यूक्रेन के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करके इसका जवाब देगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को संवादाताओं से ऑनलाइन बातचीत में कहा कि आप जितनी लंबी दूरी की हथियारों की आपूर्ति करेंगे, तो वह रेखा उतनी ही दूर होती चली जायेगी जहां से नव-नाजी रूसी संघ को धमका सकते हैं। अमेरिका एवं ब्रि३टेन ने घोषणा की थी कि वे यूक्रेन को रॉकेट लांचर उपलब्ध करायेंगे जो 80 किलोमीटर दूर तक निशाना लगा सकने में सक्षम है। यह प्रणाली लंबी दूरी तक के रॉकेटों के संचालन में सक्षम है जो 300 किलोमीटर दूर तक के इलाके में निशाना लगा सकता है। लेकिन अमेरिका ने कहा कि वह इन राकेटों की अपूर्ति नहीं करेगा। यह पूछे जाने पर कि अगर अमेरिका और उसके सहयोगी यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले रॉकेट मुहैया कराते हैं तो रूस इसका जवाब कैसे देगा, रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा था कि उनका देश इस संबंध में उचित निष्कर्ष निकालेगा और हमलों के उन संसाधनों का इस्तेमाल कर उन सुविधाओं को प्रभावित करेगा जिन्हें हमने अब तक निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि हमला करने के ऐसे साधन हमारे पास बहुत अधिक हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रमुख मामले - ब्रिटेन ने यूक्रेन को हाई टेक मिसाइल प्रणाली देकर उसे मजबूत किया। अमेरिकी जासूसी एजेंसी ने यूक्रन में अपने मिसाइलों की समीक्षा की। पूर्वी यूक्रेन में मौजूदगी खतरनाक अन्य मामले सोफिया, बुल्गारिया -बुल्गारिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि सोफिया में यूक्रेन के राजदूत ने अपने संकटग्रस्त देश के लिये बुल्गारियाई हथियारों की आपूर्ति कराने का आग्रह किया है।

बरकरार रहेगी बोरिस जॉनसन की सत्ता, 359 में से 211 सांसदों के वोट की बदौलत पार की अविश्वास की बाधा

लंदन। (एजेंसी)

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अविश्वास प्रस्ताव जीत लिया। कंजरवेटिव पार्टी के 211 सदस्यों ने बोरिस जॉनसन के पक्ष में वोट किया है। अंतिम परिणाम के अनुसार, टोरी के कम से कम 148 संसदीय सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट किया था। इसकी वजह से समीक्षकों को बोरिस जॉनसन की आलोचना करने का मौका मिल गया है, जबकि उनके समर्थकों का कहना है कि परिणाम दिखाते हैं कि पार्टी के अधिकतर सदस्य उनके साथ हैं।

क्यों लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ?

कोरोना लॉकडाउन के बीच बोरिस जॉनसन का अधिकतर समय पार्टी करने के आरोपों और विपक्षियों के हमलों से अपनी सरकार को बचाने की कोशिशों में गुजरा है। डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री आवास) में जून 2020 में आयोजित एक जन्मदिन पार्टी में कोविड-19 लॉकडाउन संबंधी नियमों के उल्लंघन के आरोप को लेकर 40 से अधिक सांसदों ने बोरिस जॉनसन के इस्तीफे की मांग की थी। इतना ही नहीं इस पार्टी को लेकर पुलिस ने उन पर जुमार्ना भी लगाया था। इसके अलावा बोरिस जॉनसन की पार्टी के कुछ सदस्य भी उनसे नाराज बताए जा रहे थे। जिसके बाद नए प्रधानमंत्री को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। स्थानीय मीडिया में चर्चा छिड़ गई थी कि अगर बोरिस की कुर्सी नई तो किसके सत्ता सौंपी जा सकती है। ऐसे में बोरिस जॉनसन के चार करीबी नेताओं के नाम सामने आ रहे थे कि इनमें से किए एक को मौका मिल सकता है। इन नेताओं में जेरेमी हंट, नदीम जाहवी, पेनी मॉर्डेंट, ऋषि सुनक शामिल है।

आपको बता दें कि बोरिस जॉनसन अविश्वास प्रस्ताव पर गुप्त मतदान हुआ। बोरिस जॉनसन को टोरी के 359 संसदीय दल के सदस्यों में से जीत के लिए 180 मत चाहिए थे। 1922 समिति द्वारा प्राप्त अविश्वास संबंधी पत्रों के प्रभारी सर ग्राहम ब्रैडी ने पहले बताया था कि टोरी संसदीय दल के 54 सांसदों (15 प्रतिशत) ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान की मांग की है। कंजरवेटिव पार्टी के मौजूदा नियमों के तहत अब बोरिस जॉनसन कम से कम एक साल तक इस तरह के किसी अन्य अविश्वास प्रस्ताव का सामना नहीं करेंगे।

अविश्वास की बाधा पार करने के बाद बोरिस जॉनसन ने पार्टी के सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राजनीति और देश के लिए यह एक बेहद अच्छा परिणाम है। बस इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बेहतर, निर्णायक परिणाम है, जिसका मतलब है कि एक सरकार के तौर पर हम आगे भी काम करना जारी रख सकते हैं और उन चीजों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं, जो वाकई लोगों के लिए मायने रखती है।

पैगंबर पर टिप्पणी के खिलाफ 14 देश जता चुके विरोध, अब तालिबान भी भारत को कट्टरपंथ पर दे रहा है लेक्चर

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के दो पूर्व नेताओं नुपुर शर्मा और नवीन जिंदल की कथित विवादित टिप्पणी के बाद शुरू हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान समेत यूएई, जॉर्डन, सऊदी, बहरीन ने बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता के विवादित बयान की कड़ी निंदा की है। इससे पहले कतर, कुवैत और ईरान ने विरोध किया था। वहीं अब नुपुर शर्मा की टिप्पणी की आलोचना में दुनिया के करीब 14 देश अपना विरोध जता चुके हैं। अब इसी कड़ी में तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार भी भारत को 'कट्टरपंथ' पर ज्ञान दे रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा, ₹हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि ऐसे कट्टरपंथियों को इस्लाम के पवित्र धर्म का अपमान करने और मुसलमानों की भावनाओं को भड़काने की अनुमति न दें।' जबीहुल्लाह ने कहा कि अफगानिस्तान का इस्लामी अमीरात भारत में सत्ताधारी दल के नेता द्वारा इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल की कड़ी निंदा करता है। अब तक, ईरान, इराक, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बहरीन, मालदीव, लीबिया और इंडोनेशिया सहित 14 देशों ने टिप्पणियों पर निंदा व्यक्त की है। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने भी टिप्पणी की निंदा की और कहा, ₹मैं अपने प्यारे पैगंबर के बारे में भारत के भाजपा नेता की आहत टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि मोदी के तहत भारत धार्मिक स्वतंत्रता को रौंद रहा है और मुसलमानों को सता रहा है। दुनिया को ध्यान देना चाहिए और भारत को कड़ी फटकार लगाना चाहिए। पवित्र पैगंबर के लिए हमारा प्यार सर्वोच्च है। सभी मुसलमान अपने पवित्र के प्यार और सम्मान के लिए अपना जीवन बलिदान कर सकते हैं।'

तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के अपने हित हैं: अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)

अफगानिस्तान पर कट्टरपंथी संगठन तालिबान के नियंत्रण के बाद पहली बार भारतीय प्रतिनिधिमंडल की काबुल यात्रा पर अमेरिका ने सोमवार को कहा कि तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के अपने हित हैं। तालिबान ने पिछले साल अफगानिस्तान को अपने कब्जे में लिया था।

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान (पीएआई) के लिए वरिष्ठ राजनयिक जे. पी. सिंह के नेतृत्व में एक दल पिछले सप्ताह अफगानिस्तान की यात्रा पर गया था। वहां उसने तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की और भारत की ओर से भेजी गयी सहायता के बारे में उनसे चर्चा की।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'दुनियाभर में ऐसे कई देश हैं, जिनके अफगानिस्तान में अलग-अलग हित हैं और जो उन हितों के आधार पर तालिबान के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हैं।'

प्राइस ने कहा, 'इसी तरह तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के भी अपने हित हैं। अलग-अलग देशों के तालिबान के साथ अलग-अलग तरह के संबंध बनेंगे। दोहा में हमारा एक दल है, जो हमारे हितों को ध्यान में रखते हुए तालिबान के संबंध बनाने के लिए काम कर रहा है।' प्राइस ने कहा कि अमेरिका, महिलाओं तथा लड़कियों के अधिकारों को प्रतिबंधित करने के तालिबान सरकार के हाल के कुछ फैसलों को उलटने के लिए उस पर दबाव बढ़ाने को लेकर भी कदम उठा रहा है। गौरतलब है कि भारत का तालिबान सरकार के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है, लेकिन उसके दूत पहले भी दोहा में तालिबान प्रतिनिधियों से मिल चुके हैं। दोहा में तालिबान का कार्यालय है।

'इमरान खान का एक बाल भी बांका हुआ, तो पूरे पाकिस्तान में होंगे आत्मघाती हमले', सांसद की प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुली धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में इस समय आर्थिक तंगी से गुजर रहा है लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की राजनीति में काफी भूचाल मचा हुई है। हाल ही में इमरान खान के खिलाफ विपक्ष ने आविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। अब शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री है। इमरान खान चाहते हैं जल्द से जल्द पाकिस्तान में चुनाव हो, जिसके लिए उन्होंने कोर्ट में अर्जी भी डाली हुई है। मामला कोर्ट में है इस लिए उनके हाथ-पैर भी बंधे हुए हैं। दूसरी तरफ इमरान खान जिस तरह से लगातार पाकिस्तानी सेना की पोल-पट्टी खोलने में लगे हुए हैं ऐसे में उनकी जान पर भी बन आयी है। इमरान खान को कई धमकियां भी मिल चुकी हैं।

अब इन तमाम धमकियों का जवाब देते हुए पाकिस्तान के एक सांसद ने शहबाज शरीफ सरकार और शीर्ष अधिकारियों सीधी धमकी दी हैं। सांसद ने कहा कि अगर उनकी पार्टी के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कोई नुकसान होता है। तो पूरे देश में आत्मघाती हमले होंगे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेशनल असेंबली के सदस्य अताउल्लाह ने ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'अगर इमरान खान के सिर का एक बाल भी बांका हुआ, तो देश चलाने वालों को चेतावनी दी जाती है। न तुम रहोगे और न तुम्हारे बच्चे। मैं आप पर आत्मघाती हमला करने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा, मैं तुम्हें नहीं बख्शूंगा। हजारों कार्यकर्ता ऐसा करने के लिए तैयार हैं।'

अताउल्लाह की टिप्पणी उन अफवाहों के मद्देनजर आई है कि इमरान खान की हत्या की साजिश चल रही है, जिन्हें इस साल की शुरूआत में संसद में विश्वास मत में विफल रहने के बाद सत्ता से हटा दिया गया था। खान को बढ़ी हुई व्यक्तिगत सुरक्षा दी गई है और इस्लामाबाद हवेली के बाहर सुरक्षा घेरा भी मजबूत किया गया है। पिछले महीने राजधानी इस्लामाबाद में उनकी पार्टी द्वारा बुलाए गए विरोध मार्च के हिंसक होने और विनाश का निशान छोड़ने के बाद पाकिस्तान सरकार क्रिकेटर से नेता बने के खिलाफ देशद्रोह के आरोप लगाने पर भी विचार कर रही है।

अताउल्लाह के इस बयान पर पाकिस्तान सरकार की तीखी प्रतिक्रिया हुई है. सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि देश के खिलाफ धमकियां देने वालों की राजनीतिक प्रक्रिया में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए बातचीत या किसी राजनीतिक प्रक्रिया में कोई जगह नहीं है और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब इमरान खान के किसी कट्टर समर्थक ने उनकी जान को कथित खतरे के बीच पैसे लौटाने की धमकी दी है। खान के भतीजे, हसन नियाजी ने पूर्व प्रधानमंत्री को कोई नुकसान होने पर 'आक्रामक प्रतिक्रिया' की चेतावनी दी है।

ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने चलाई मुहिम, पाक ने दी हवा और मोदी सरकार ने किया डैमेज कंट्रैल, जानिए भारत लिए क्यों जरूरी हैं खाड़ी के देश?

बीजिंग (एजेंसी)

पैगंबर पर बीजेपी नेताओं के बयान के खिलाफ उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार दूसरे दिन ये मुद्दा खासकर मुस्लिम देशों के मंच से उठा। पाकिस्तान ने भी ये मुद्दा उठाया तो भारत ने दो टूक शब्दों में उसे आईना दिखाया। भारत की ओर से अपना स्टैंड साफ करने के बावजूद पाकिस्तान समेत यूएई, जॉर्डन, सऊदी, बहरीन और अफगानिस्तान ने बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता के विवादित बयान की कड़ी निंदा की है। इससे पहले कतर, कुवैत और ईरान ने विरोध किया था। पैगंबर पर नुपुर शर्मा के बयान के खिलाफ कई देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं। कानपुर में तो हिंसा तक हो गई। बात जब खाड़ी देशों तक पहुंची तो बीजेपी ने कार्रवाई की।

खाड़ी देशों ने बुलंद की आवाज

प्रमुख पश्चिम एशियाई व्यापारिक भागीदारों ने एक टीवी बहस के दौरान पार्टी के प्रवक्ता द्वारा कथित इस्लामोफोबिक टिप्पणी के बाद देश के राजनयिक दूतों को तलब किया। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के बढ़ते सोशल मीडिया आह्वान के बीच भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को एक प्रवक्ता को निलंबित कर दिया और दूसरे को निष्कासित कर दिया।

ग्रैंड मुफ्ती ने मुस्लिम देशों से एकजुट होने को कहा

पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान पाने वाले ओमान के ग्रैंड मुफ्ती शेख अहमद बिन हमाद अल खलीली ने बीजेपी के खिलाफ मुहिम की शुरूआत की। ग्रैंड मुफ्ती ने ट्वीट किया कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता ने इस्लाम के दूत के खिलाफ एक ढीठ और अपमानजनक टिप्पणी की है। ये एक ऐसा मामला है जिसके खिलाफ दुनिया भर के मुस्लिमों को एक साथ आना चाहिए।

खाड़ी देशों में कितने भारतीय हैं

संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इराक 2021-22 में भारत के तीसरे, चौथे और पांचवें सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार हैं। खाड़ी देशों में लगभग 76 लाख भारतीय काम करते हैं। ये अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भारत भेजते हैं जो देश के विदेशी पूंजी का भंडार बढ़ाने में मदद करता है।

52 प्रतिशत तेल खाड़ी देशों से आयात

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का 84 प्रतिशत तेल आयात करता है। इनमें करीब 52 प्रतिशत तेल इन्हीं खाड़ी देशों से आयात किया जाता है। 2021-22 में, भारत ने सात खाड़ी देशों-सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, कतर, बहरीन, कुवैत और इराक के साथ लगभग 189 बिलियन डॉलर का कुल व्यापार दर्ज किया, जो इसके आयात के संयुक्त मूल्य का 18.3% था।

मिडिल ईस्ट रणनीतिक रूप से अहम इलाका

भारत के लिए मिडल ईस्ट रणनीतिक रूप से बेहद अहम इलाका है। भारत के एक्सटेंडेड नेबरहुड का हिस्सा है। पिछले आठ के मोदी सरकार के कार्यकाल को देखें तो विदेश नीति के मामले में पीएम मोदी की बड़ी सफलता इस मामले में रही कि खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत बनाने में सफल रहे। मिडल ईस्ट में अगर आप देखें तो भारत ने सऊदी अरब, यूएई और बहरीन जैसे देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए। पीएम ने भी इन देशों का दौरा किया और उच्च स्तर पर रिश्ता बेहतर भी हुआ है। जब भारत ने अनुच्छेद 370 हटाया था, उस समय भी सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों की प्रतिक्रिया बहुत शांत थी।

सार समाचार

बेंगलुरु में पकड़ा गया हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकवादी, जुमे की नमाज के दौरान देता था धार्मिक उपदेश

बेंगलुरु में पुलिस प्रशासन को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दरअसल, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान के तहत हिज्बुल मुजाहिदीन के एक के संदिग्ध आतंकवादी को बेंगलुरु में गिरफ्तार किया है। इसको लेकर कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानें द्रने कहा कि जम्मू-कश्मीर के एक निवासी को कथित तौर पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच कर रही राज्य पुलिस। शहर में संदिग्ध आतंकवादियों को पनाह देने वाले व्यक्तियों और संगठनों की भी जांच चल रही है। वहीं इस मामले को लेकर कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार जम्मू-कश्मीर पुलिस को आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। बोम्मई ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, हां, संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, आम तौर पर पुलिस उसके जैसे लोगों पर नजर रखती है। जम्मू-कश्मीर पुलिस को जो भी सहायता की आवश्यकता होगी, हम प्रदान करेंगे। इससे पहले भी सिरसी और भटकल में ऐसी गिरफ्तारियां हुई थीं। बोम्मई ने कहा, जम्मू- कश्मीर पुलिस ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तालिब हुसैन नामक संदिग्ध आतंकवादी को पांच जून को गिरफ्तार किया गया था। तालिब हुसैन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जम्मू-कश्मीर से भाग गया था। सुरक्षाबलों ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। वह बेंगलुरु में छिपा हुआ था। तालिब ने कथित तौर पर यहां श्रीरामपुरा की एक मस्जिद में शरण ली हुई थी और वह जुमे की नमाज के दौरान धार्मिक उपदेश दिया करता था। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलुरु से तालिब हुसैन की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

कोरोना से संक्रमित होने की वजह से सोनिया की टल सकती है ईडी के समक्ष पेशी

नई दिल्ली । कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस संक्रमण का सामना कर रही हैं। इसी बीच खबर है कि उनके स्वास्थ्य कारणों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होने की संभावना नहीं हैं। ईडी ने उन्हें नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि, इससे पहले पार्टी ने कहा था कि सोनिया जांच एजेंसी के सामने समय पर पेश होंगी। पार्टी नेताओं ने बताया कि बुधवार को सोनिया के ईडी के सामने पेश होने की संभावनाएं नहीं हैं। बीते हफ्ते ही कांग्रेस ने जानकारी दी थी कि सोनिया कोविड-19 की चपेट में आई गई हैं और उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। इसके अलावा केसी वेणुगोपाल समेत कुछ कांग्रेस नेताओं के भी संक्रमित होने की खबर सामने आई थी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, हालांकि वह आठ जून को नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित धनशोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होंगी। खबर है कि सोनिया गांधी के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर एजेंसी से छूट मांगी जाएगी। खास बात है कि इससे पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पेश होने की तारीख में बदलाव हो चुका है। अब वह 13 तारीख को एजेंसी के सामने पेश होंगे। ईडी ने राहुल को पहले 2 जून को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने देश से बाहर होने के चलते नई तारीख की मांग की थी।

नाइजीरियाई युवक व दिल्ली की लड़की ने फेसबुक पर दोस्ती कर लोगों से ठगे लाखों रुपए

नई दिल्ली । फेक अकाउंट से फेसबुक पर दोस्ती कर लोगों को ठगने वाले एक नाइजीरियाई नागरिक और दिल्ली की रहने वाली एक लड़की को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस नाइजीरियाई नागरिक और लड़की को फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर लोगों से ऑनलाइन दोस्ती करने और विदेश से उपहार लेने के बहाने सीमा शुल्क के नाम पर ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

साइबर क्राइम थाना फरीदाबाद की टीम ने नाइजीरियाई नागरिक पॉलीनेस ओकेके और दिल्ली के तिलक नगर निवासी दीपा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा नाइजीरियाई आरोपी महिला के पड़ोस में किराए के मकान में रहता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने फेसबुक पर दोस्ती कर बल्लभगढ़ निवासी एक व्यक्ति से 85,000 रुपए ठगे। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह फेसबुक पर एक 'लड़की' के संपर्क में आया था, जिसका यूजर नेम जेनी पिलिप था। वे दोस्त बन गए और व्हाट्सएप पर चैट और कॉल करने लगे। जेनी ने उसे बताया कि वह लंदन से है और भारत आना चाहती है। उसने कहा कि वह पहले मुंबई एयरपोर्ट आएगी और फिर दिल्ली के लिए फ्लाइट लेगी। उसे एक फेक एयरपोर्ट अधिकारी का फोन आया जिसने उसे 20,000 रुपए जमा करने के लिए कहा और फिर अपने उपहारों को मंजूरी देने के लिए सीमा शुल्क के रूप में 65,500 रुपए की मांग की। जब उसने राशि जमा कर दी, तो फेक अफसर ने और मांग की। शक बढ़ने पर पीड़ित पुलिस के पास पहुंचा, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि जालसाजों ने एक विदेशी नागरिक की एक फर्जी आईडी बनाई थी और पीड़ित को विदेश से गिफ्ट की मंजूरी प्राप्त करने के लिए सीमा शुल्क और टैक्स का भुगतान करने के लिए कहा था। पुलिस ने कहा उनके बैंक खातों के विवरण से पता चला है कि उन्होंने एक महीने में 8 लाख रुपये का लेनदेन किया था। साइबर क्राइम पुलिस टीम ने आखिरकार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने अपनी संलिप्तता कबूल कर ली है। फरीदाबाद के डीसीपी (मुख्यालय) नीतीश अग्रवाल ने कहा कि इन आरोपियों ने एक ही बहाने से कई लोगों को ठगा, क्योंकि उनके बैंक खाते का उपयोग करके पिछले एक माह में 8 लाख रुपए का लेनदेन किया गया था। हम उनसे पूछताछ कर रहे हैं और उम्मीद है कि कई और मामले सुलझ जाएंगे। पुलिस ने कहा उन्होंने उनके पास से दो मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड, जिनमें से एक यूके का है और 21,000 रुपए नकद बरामद किए हैं।

ऑनलाइन रमी में 7.5 लाख का सोना और 3 लाख नकद हार गई महिला, सदमे से दी जान

चेन्नई । चेन्नई की एक शादीशुदा महिला ने अपनी बहनों से उधार लेकर ऑनलाइन रमी में साढ़े सात लाख रुपए का सोना और 3 लाख रुपए दांव पर लगा दिए और हार गई। ये पैसे उसने अपनी बहनों से उधार लिए थे। महिला इसका गम बर्दाश्त नहीं कर पाई और खुदकुशी कर ली। 29 साल की इस महिला का नाम भवानी था। वह मनाली न्यू टाउन में रहती थी। मैथ से बीएससी पास थी। महिला की बाकियाराज से 2016 में शादी हुई थी। दोनों के 3 और 1 साल के दो बच्चे हैं। पति बाकियाराज एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। भवानी भी कंदांचवडी में एक प्राइवेट हेल्थकेयर कंपनी में काम करती थी। पुलिस ने बताया कि भवानी ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन जुआ खेलना शुरू कर दिया था। शुरू में उसने थोड़े पैसे लगाए और मुनाफा कमाया। फिर उसे इसकी लत लग गई। झटपट पैसा आते देख ऑनलाइन रमी में ज्यादा पैसा लगाने लगी। धीरे-धीरे करके वह गेम में हारती गई और लाखों रुपए हार गई। परिवार और रिश्तेदारों के मना करने पर भी वह मानती नहीं थी। भवानी चोरी छिपे ऑनलाइन रमी खेलती रही। उसे उम्मीद थी कि एक दिन वह मोटी रकम जीतेगी। पुलिस के मुताबिक, कुछ महीने पहले भवानी में अपनी 20 सॉवरेन गोल्ड जूलरी दांव पर लगा दी, लेकिन हार गई। उसने अपनी दो बहनों से डेढ़-डेढ़ लाख रुपए उधार ले लिए। उनसे कहा कि वह अपनी गोल्ड जूलरी वापस ले आएगी, लेकिन उसने इन पैसों को भी दांव पर लगा दिया और हार गई। कर्ज का बोझ बढ़ने पर वह डिप्रेशन में रहने लगी। चार दिन पहले उसने अपनी एक बहन को बताया था कि ऑनलाइन रमी में वह सारे पैसे हार चुकी है।

मोदी राज में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में 70 प्रतिशत की कमी आईः अमित शाह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में 70 प्रतिशत की कमी आई हैं राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन करने के बाद शाह ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पूर्वोत्तर के 66 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (आफस्पा) हटा लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर और देश के वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र जनजातीय बहुल हैं और वहां विकास के लिए सुरक्षा सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा, 'सुरक्षित पूर्वोत्तर और सुरक्षित मध्य भारत जनजातीय समुदाय के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।' शाह ने कहा कि कांग्रेस जब शासन में थी तब आठ साल में पूर्वोत्तर के राज्यों में 8,700 अप्रिय घटनाएं हुई थीं जबकि मोदी सरकार में यह घटकर 1,700 रह गईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में 304 सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान गंवाई थी जबकि मोदी सरकार में यह संख्या सिर्फ 87 रही। शाह ने कहा कि देश में योजना आयोग, जो अब नीति आयोग हो गया है, भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने देश की प्रगति में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ठीक इसी तरह से राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान देश के जनजातीय समुदाय के विकास में प्रमुख भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश की आजादी के 100 वर्षों तक के सफर में जनजातीय विकास की रीढ़ की हड्डी साबित होगी। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय शोध और शिक्षा को शीर्ष प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'वर्ष 2014 में कांग्रेस के राज में इस उद्देश्य के लिए सात करोड़ रखे गए थे।

वर्ष 2022 में हमने 150 करोड़ रुपये रखे।' केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी सरकार में एकलव्य आवासीय विद्यालयों का बजट इस वित्तीय वर्ष में 278 करोड़ से बढ़ाकर 1,418 करोड़ रुपये कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानता है कि जनजातीय बच्चे ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ पदक ला सकते हैं क्योंकि खेल जनजातीय परंपरा का हिस्सा है और ऐसे बच्चों को मार्गदर्शन, कोचिंग, अभ्यास और एक मंच की जरूरत है ताकि वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें।

फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर में के चुनाव की मांग, बोले- चुनी हुई सरकार ही खत्म कर सकती है लोगों की मुश्किलें

जम्मू (एजेंसी)

जम्मू कश्मीर में इन दिनों टारगेट किलिंग के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद आतंकवादियों ने अपने आतंकी के तरीकों में बदलाव किया है। अब हाइब्रिड आतंकवाद के जरिए आम नागरिक को निशाना बनाया जा रहा है। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने राज्य में चुनाव में मांग कर दी है। फारूक अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा है कि जम्मू कश्मीर के लोगों को एक निर्वाचित सरकार मिलनी चाहिए क्योंकि वही लोगों की समस्याओं का हल कर सकती है। फारूक अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव होना चाहिए। सरकार पर हमला करते हुए फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि यह जनता की सरकार नहीं है। यह नौकरशाही

है। जब तक चुनी हुई सरकार नहीं होगी, तब तक लोगों की समस्याएं कभी खत्म नहीं होंगी। फारूक अब्दुल्ला ने जोर दिया कि इसलिए आवश्यक है कि राज्य में चुनाव कराया जाए ताकि लोग मतदान कर सके और अपनी पसंद की सरकार को सत्ता में ला सकें। इतना ही नहीं, जम्मू कश्मीर में हाल में घटित हुई टारगेट किलिंग की घटनाओं को भी फारूक अब्दुल्ला ने चिंताजनक बताया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आतंकवाद के लिए अनुच्छेद 370 जिम्मेदार है। दरअसल 370 हटाने के बाद फारूक अब्दुल्ला लगातार इसका विरोध करते रहे हैं। इतना ही नहीं, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला भी लगातार 370 के खत्म होने के खिलाफ बोलते रहे हैं। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी 370 के खत्म करने का विरोध कर रही है। फारूक अब्दुल्ला ने पूछा कि पांच अगस्त 2019 को इसे निरस्त कर दिये जाने के बाद फिर घाटी में आतंकवाद कैसे बढ़ गया? इसलिये अनुच्छेद 370 इसके लिये जिम्मेदार नहीं था। स्थिति खतरनाक है और इसका असर देश पर हो रहा है। यह चिंता का विषय है। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार को अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर हमलों के बाद उनके बीच सुरक्षा की भावना पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वह यहां रूकें और जब तक उनके मन में यह भावना पैदा नहीं होती कि वह यहां सुरक्षित हैं, तब तक वह यहां से पलायन करते रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल- खाड़ी देशों के साथ जारी रहेंगे अच्छे संबंध

कोच्चि। (एजेंसी)

मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अपदस्थ प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणी का केंद्र में सत्तारूढ़ राजग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, क्योंकि वह एक सरकारी पदाधिकारी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों के साथ हमारे संबंध जारी रहेंगे, जिन्होंने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने शर्मा के निलंबन का हवाला देते हुए कहा कि प्रवक्ता के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की गई है। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कुछ मुस्लिम देशों के विरोध से विवाद बढ़ने पर भाजपा ने रविवार को नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था और दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। मुस्लिम समूहों के प्रदर्शनों, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों की तीखी प्रतिक्रिया के बीच भाजपा ने एक बयान जारी कर कहा वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और किसी भी धार्मिक व्यक्तित्व के अपमान की कड़ी निंदा करती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल से विवाद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा 'मुझे नहीं लगता कि यह बयान किसी सरकारी पदाधिकारी ने दिया है और इसलिए इसका सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। पार्टी ने आवश्यक कार्रवाई की है।' उन्होंने कहा 'विदेश मंत्रालय ने उस टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दिया है। भाजपा ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की है। इन सभी देशों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं और यह संबंध बहुत अच्छे बने रहेंगे।' विवाद के मद्देनजर सोशल मीडिया पर भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के अभियान के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने ऐसी किसी बात के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा 'उन्होंने (खाड़ी देशों ने) केवल इस बात का उल्लेख किया है कि ऐसा बयान नहीं दिया जाना चाहिए और तदनुसार, टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में रहने वाले सभी भारतीय सुरक्षित हैं और चिंता करने की जरूरत नहीं है।

घाटी में कश्मीरी पंडितों की हत्या पर केजरीवाल ने अमित शाह से मिलने का मांगा वक्त

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने घाटी में कश्मीरी पंडितों की हत्याओं पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का समय मांगा है। दो दिन पहले ही केजरीवाल ने यहां आम आदमी पार्टी (आप) की 'जन आक्रोश रैली' में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि वह घाटी में 'कश्मीरी पंडितों के नरसंहार' को रोकने के लिए केंद्र की योजना के बारे में जानने के लिए शाह से मुलाकात करेंगे।

केजरीवाल ने हिंदी में किए गए एक ट्वीट में कहा, 'लगातार हो रहे कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर चर्चा करने के लिये मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात का समय मांगा है।' आप घाटी में कश्मीरी पंडितों की हत्या की आलोचना करती रही है और उसने स्थिति के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराया है।

रविवार को रैली में, केजरीवाल ने दावा किया था कि अल्पसंख्यकों की लक्षित हत्याओं के कारण कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है और मांग की कि केंद्र ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक कार्य योजना तैयार करे। कश्मीर में लक्षित हत्याओं का सिलसिला मई में शुरू हुआ, जिसमें एक क्लर्क राहुल भट्ट भी शामिल थे, जिनकी

बडगाम जिले के चाडूरा में तहसीलदार के कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कश्मीर में एक मई से अब तक आठ ऐसी घटनाओं में जान गंवाने वालों में तीन पुलिसकर्मी और पांच आम नागरिक शामिल हैं।

आरएसएस कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी, तमिलनाडु से राज मोहम्मद को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश भर में मंदिर और मस्जिद पर हो रही सियासत के बीच लखनऊ, उन्नाव और कर्नाटक में आरएसएस दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस की तरफ से मामला दर्ज कर लिया गया। जिसके बाद पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई। अब खबर है कि आरएसएस के छह कार्यालयों (जिसमें 2 कार्यालय उत्तर प्रदेश के हैं) को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी राज मोहम्मद को तमिलनाडु के पुदुकुडी से हिरासत में लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

लखनऊ और उन्नाव के आरएसएस कार्यालय को उड़ाने की धमकी मिली। जिसके बाद लखनऊ के मड़ियांव थाने में संबंधित धमकी के खिलाफ

एफआईआर दर्ज कराई गई। आरएसएस से जुड़े नेता नीलकंठ तिवारी ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। धमकी में कर्नाटक के चार कार्यालयों का भी जिक्र किया गया। विदेशी नंबर में व्हाट्सएप किया गया था। हिंदी, अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में धमकी दी गई थी।

क्या लिखा था मैसेज में ?

सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर क्यू , सेक्टर ए, सेक्टर के, अलीगंज, लखनऊ, वी49आर+जे8जी, नवाबगंज, उत्तर प्रदेश 271304: आपके छह पार्टी कार्यलयों पर बमबारी की जाएगी। 8 बजे। हो सके तो विस्फोट को रोक लो।

कानपुर हिंसाः काजी मौलाना अब्दुल हादी का बयान, बुलडोजर चला तो सर पर कफन बांध कर निकल आएंगे हम

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के कानपुर में ही हुए हिंसा के बाद आरोपियों की धरपकड़ लगातार जारी है। आरोपियों के खिलाफ सख्ती से निपटने की भी तैयारी है। माना जा रहा है कि कानपुर हिंसा में जो लोग भी संलिप्त पाए जाएंगे, उन पर बुलडोजर की भी कार्रवाई की जा सकती है। इन सबके बीच कानपुर शहर के काजी मौलाना अब्दुल कुद्दूस हादी का भी बयान सामने आ गया है। मौलाना अब्दुल हादी ने कहा कि अगर कानपुर में बुलडोजर चला तो हम लोग सर पर कफन बांध कर बाहर निकलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले को लेकर एक तरफा कार्रवाई हो रही है। उनका दावा है कि 90 से 95 फीसद मुसलमानों को ही गिरफ्तार किया जा रहा है।

मौलाना ने कहा कि इसमें केवल मुसलमानों की ही गलती नहीं है। हां, यह जरूर है कि जुलूस निकाला गया। लेकिन उनके ऊपर पत्थर मारे गए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर यही होना है तो हम मरने के लिए निकल पड़ेंगे। दूसरी ओर, इस मामले को लेकर कानपुर संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि अब तक 50 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में 12. गिरफ्तारियां हुई हैं और अभी भी जारी हैं। जो पोस्टर जारी किए गए थे, उनकी तस्वीरों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जा रहा है और उसके बाद ही कार्रवाई की जा रही है। 3 प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। माना जा रहा है कि जो गिरफ्तारियां हुई हैं, उसमें कुछ नाबालिग भी हैं। पुलिस उनकी भूमिका को बारीकी से देख रही है।

कानपुर हिंसा की जांच के लिए कानपुर के पुलिस आयुक्त ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी हयात जफर हाशमी समेत गिरफ्तार लोगों को रविवार को विशेष मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक

हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कानपुर में हिंसा और पथराव की घटना के एक दिन बाद शनिवार को 500 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे, हिंसा की घटनाओं में 40 लोग घायल हो गए थे। एसएचओ ने कहा कि हयात और उनके समर्थकों ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को दुकानें बंद रखने का आह्वान किया था। प्राथमिकी में कहा गया है कि दंगाइयों ने घातक हथियारों का इस्तेमाल किया, पेट्रोल बम फेंके और सड़कों पर हंगामा किया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

भाजपा पर निशाना साधते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा- मैं अपनी जान दे दूंगी लेकिन...

अलीपुरद्वार (प. बंगाल)। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार भाजपा पर हमलावर रहती है। इन सब के बीच एक बार फिर से ममता बनर्जी ने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि राज्य को विभाजित करने की कोशिश को विफल करने के लिए वह अपना खून तक वह आने के लिए तैयार है। दरअसल, ममता बनर्जी का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा पश्चिम बंगाल के अलग राज्य बनाने की मांग की जा रही है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि 2024 के आम चुनाव से पहले भाजपा राज्य में अलगाववाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर बंगाल में सभी समुदाय के लोग दशकों से एक दूसरे के साथ मिलकर रह रहे हैं, लेकिन भाजपा लोगों को लगातार बांटने की कोशिश कर रही है।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकसभा चुनाव करीब आने के साथ ही भाजपा अलग-अलग मुद्दों को उठा रही है और इसी कड़ी में उसने अलग राज्य की मांग कर दी है। भाजपा सभी गोरखालैंड की मांग करती है तो कभी अलग उत्तर बंगाल की मांग करती है। मैं जरूरत पड़ने पर अपना खून तक बहाने के लिए तैयार हूं, लेकिन राज्य को कभी विभाजित नहीं होने दूंगी। कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के नेता जीवन सिंघा के उस कथित वीडियो के संदर्भ में, जिसमें कामतापुर की मांग नहीं मानने पर मुख्यमंत्री को 'रक्तपात' की धमकी दी गई है, बनर्जी ने कहा कि वह इस तरह की धमकियों से नहीं डरती हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग मुझे धमकी दे रहे हैं, मुझे इसकी परवाह नहीं है। मैं इस तरह की धमकियों से नहीं डरती।' इससे पहले ममता बनर्जी ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्ट करार दिया था। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नोटबंदी जैसे फैसलों के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को बिगाड़ रही है और विपक्ष को शांत कराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा की एंट्री नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में लौटने की कोई संभावना नहीं है। ममता ने कहा कि देश भर में भाजपा के लिए 'नो एंट्री' (प्रवेश पर प्रतिबंध) होगी। उन्होंने कहा, 'केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्ट है। उन्होंने नोटबंदी जैसे विनाशकारी फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। यह एक बड़ा घोटाला है।' ममता ने कहा कि देश की जनता केंद्र की जनविरोधी सरकार से तंग आ चुकी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार मिलावटी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भांजी को बेहोश कर मामा करता था दुष्कर्म, पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा , जिले के भादरवा पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने कई दिनों तक अपनी भांजी का के मुताबिक 36 वर्षीय पीड़ित महिला की शादी 18 साल पहले पंचमहल जिले के गोधरा में हुई थी। कुछ दिन पहले पति के साथ मनमुटाव होने की वजह से पीड़िता वडोदरा जिले में सावली के भादरवा 10 दिनों तक अपने मामा के घर रुकी और इस दौरान हर दिन वह मामा की हवस का शिकार हुई। कुछ अंदेशा होने पर पीड़िता अपने पति के मित्र के घर चली गई। जहां पीड़िता ने पति के मित्र समेत

हवस शिकार बनाया। आरोपी भोजन में कोई नशीला पदार्थ मिला देता, जिससे भांजी बेहोश हो जाती और उसके बाद मामा उसके साथ दुष्कर्म करता। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया और सलाखों के पीछे धकेल दिया। जानकारी स्थित अपने पारीवारिक मामा के घर रहने चली आई। उस दौरान मामा जब कभी भांजी को भोजन देने जाता, उसमें कोई नशीला पदार्थ मिला देता। भोजन करने के बाद भांजी बेहोश हो जाती और मामा इस मौके का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म करता। पीड़िता एक अन्य महिला से मामा की करतूतों की शिकायत की। पति के मित्र समेत अन्य लोगों के समझाने पर पीड़िता ने भादरवा पुलिस थाने में अपने मामा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी मामा को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है।

मोबाइल स्नैचर्स का पीछा करने के प्रयास में बाइक सवार विद्यार्थी ने गंवाई जान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत ,शहर के लिंबायत क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें मोबाइल स्नैचर्स का पीछा करने के प्रयास में विद्यार्थी की बाइक स्लीप हो गई और गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने से अस्पताल में उपचार के दौरान विद्यार्थी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरत के लिंबायत क्षेत्र में एक विद्यार्थी मोटर साइकिल से जा रहा था। उस वक्त विद्यार्थी का झपट्टामार मोबाइल उड़ा ले गए।

झपट्टामार का पीछा करने के प्रयास में विद्यार्थी की मोटर साइकिल स्लीप हो गई। इस घटना में गंभीर रूप से घायल विद्यार्थी को तुरंत अस्पताल पहुंचा गया। लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से विद्यार्थी की मौत हो गई। यह घटना काफी दर्दनाक और डरावनी है। ऐसा लगता है जैसे अपराधियों में कानून का कोई खौफ नहीं है।

बेखौफ होकर शहर में स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देनेवाले ऐसे अपराधियों की वजह से एक निर्दोष विद्यार्थी की जान चली गई।

सूरत शहर में एक नई दिशा और आयाम देने के लिए आ रही है ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी जी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए "75 वें आजादी का अमृत महोत्सव अभियान" में, ब्रह्माकुमारीज संगठन ने दुनिया भर में फैली अपनी 8500 शाखाओं के साथ हाथ मिलाया है और विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की शुरूआत की है ताकि एक सपने को सच करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके मजबूत, शक्तिशाली और स्वर्ण भारत । ब्रह्माकुमारीज सचिन साधना भवन केंद्र प्रभारी बीके सविता दीदी जी बताती हैं कि इसी अभियान में आज की तनावपूर्ण जीवन शैली में असुरक्षित महसूस कर रहे लोगों को लाभान्वित करने के लिए 12 जून 2022 रविवार के दिन, शाम 5:30 बजे से 7:30 तक सरसाना कन्वेंशन सेंटर (डोम) में "पुण्य कर्मों का रक्षा कवच" पास अनिवार्य है । बीके शिवानी दीदी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक, राजयोग ध्यान

के रूप में एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बीके शिवानी दीदी जी लगभग 5000 लोगों को स्वस्थ, सुरक्षित और तनाव मुक्त जीवन जीने की दिशा में मार्गदर्शन करेंगी। प्रवेश नि:शुल्क है परन्तु साथ में शिक्षिका हैं। 2007 से, उन्होंने अपने टीवी कार्यक्रम **"अवेकनिंग विद ब्रहमाकुमारीज़"** के माध्यम से व्यावहारिक आध्यात्मिक समझ प्रस्तुत की है। कार्यक्रम का प्रसारण भारत में आस्था और संस्कार चैनलों के साथ-साथ यूएसए, यूके, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और मध्य पूर्व में स्टार प्लस पर किया जाता है। उनके रेडियो और टेलीविजन शो लगभग 160 देशों के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा रहे हैं, जिससे उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है, जैसे कि वुमन ऑफ द डिकेड अचीवर अवार्ड, राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार और ब्रिटिश संसद द्वारा हैप्पीनेस एंबेसडर अवार्ड । कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आप संपर्क कर सकते हैं। :-7567757699, 9429268186, 8140996653, 9624566835

यह विभाग के द्वारा किया गया डिमोलिशन हैं या सेटिंग.com

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

SUDA की महेरबानी या लापरवाही से इस कार्यपर नजरअंदाज करते हुए अधिकारीगण अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर विभाग के कोष को हानि पहुचने संबंधित कार्यवाही भारतीय दंड सहित के अनुसार विभाग के उच्च अधिकारीगण को करना चाहिए. जिससे भष्टाचार की इस दलदल में कार्यालय में कुछ लगाम लगा सके.

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के समन्वय से डांग के दुर्गम क्षेत्रों में समय पर पहुँचा शुद्ध व पर्याप्त जल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,टेक्नोलॉजी तथा दृढ़ मनोबल का समन्वय हो, तो दुनिया की किसी भी मुश्किल से पार पाया जा सकता है। टेक्नोलॉजी तथा दृढ़ मनोबल का ऐसा समन्वय गुजरात के आदिवासी ज़िले डांग के दुर्गम क्षेत्रों में देखने को मिला है। 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत राज्य सरकार ने डांग के साकरपातळ एवं मानमोडी जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों तक उनके मूलभूत अधिकार अर्थात् पीने योग्य शुद्ध पानी को पहुँचा कर आदिजाति क्षेत्र के विकास की दृढ़ इच्छाशक्ति दर्शाई है। गुजरात के अंतिम छोर पर स्थित आदिवासी क्षेत्र डांग में राज्य की सर्वाधिक वर्षा होती है, परंतु भारी वर्षा के बावजूद पहाड़ों पर स्थित कुछ क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रह नहीं होता था, जिससे लोगों को वर्षा ऋतु के बाद के सात महीनों तक पानी के लिए तरसना पड़ता था, जबकि अब सरकार के 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की सहायता से ऐसे गाँवों में घर-घर तक शुद्ध एवं पर्याप्त पानी समय पर पहुँचाया